Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित
समय दर्शन
ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 84 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, मंगलवार 03 फरवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

मां दंतेश्वरी के दरबार में खुलीं दान पेटियां, भक्तों की दिलचस्प मनोकामनाओं ने सबका दिल छुआ!

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा में स्थित बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दरबार में एक अनोखी घटना घटी, जब मंदिर की दान पेटियां खोली गईं। इन पेटियों से करीब 19 लाख रुपये का कैश तो निकला ही, साथ ही मिलीं कई चिट्ठियां, जिनमें भक्तों ने अपनी अनगिनत मनोकामनाएं मां के दरबार में प्रस्तुत की थीं।किसी ने नौकरी पाने की आस लगाई, तो किसी ने अपने टूटे दिल की पुकार लगाई। किसी ने परीक्षा पास कराने की प्रार्थना की, तो किसी ने बीमारी से जूझते परिजनों के लिए आशीर्वाद मांगा। हर पत्र अपने भीतर संघर्ष और उम्मीद की अनकही कहानी को समेटे हुए था।

एक युवती ने मां से नौकरी के साथ-साथ अपने प्रेम के लिए भी आशीर्वाद मांगा, तो वहीं एक परिवार ने अपनी वित्तीय कठिनाइयों और बीमारी से जूझ रहे परिजनों के लिए मदद की प्रार्थना की। कुछ भक्तों ने अपने टूटे प्रेम को फिर से जोड़ने के लिए मां से आशीर्वाद की विनती की, मानो उनके दिल की एक अदृश्य आवाज़ हो।

ये दान पेटियां और उनकी चिट्ठियां साबित करती हैं कि मां दंतेश्वरी का दरबार सिर्फ आस्था का स्थल नहीं, बल्कि उन लोगों की आखिरी उम्मीद है, जिनकी उम्मीदें और इच्छाएं किसी से नहीं सुनाई जातीं। यहां, सिक्कों की खनक से ज्यादा, भक्तों के दिलों की आवाज़ गूंजती है।

पांच लाख के नकली नोट सहित एक गिरफ्तार

माल्दा । जिले पुलिस ने पांच लाख रुपये के नकली नोटों की बरामदगी के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिससे सीमावर्ती जिले में नकली मुद्रा के प्रचलन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्थानीय पुलिस टीमों के समन्वित अभियान के बाद यह गिरफ्तारी की गई।

आरोपी की पहचान मोशर्रफ हुसैन के रूप में हुई है, जिसे कालियाचक पुलिस स्टेशन क्षेत्र के चारियानंतपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान, वैष्णवनगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सीमावर्ती गांव परदेवनापुर से 500 रुपये के नकली नोट बरामद किए गए। मालदा जिले के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि नकली नोट बांग्लादेश से तस्करी करके लाए गए थे। इस बरामदगी ने एक बार फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमा पार आपराधिक गतिविधियों के प्रति संवेदनशीलता को उजागर किया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति को हिरासत में लेकर रैकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए गहन पूछताछ की जाएगी। जांच के दौरान दो और नाम सामने आए हैं और उन्हें ढूंढने और गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर कारोबारी से 1.41 करोड़ की साइबर ठगी- इंग्लैंड की युवती बनकर जाल में फंसाया

ग्वालियर । मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर के बड़े उद्योगपति से साइबर ठगों ने 1 करोड़ 41 लाख की ठगी कर वारदात को अंजाम दिया है। ठगों ने खुद को इंग्लैंड की युवती बताकर फेसबुक पर उद्योगपति से पहले दोस्ती की जिसके बाद बातचीत कर भरोसा जीत लिया। ठग युवती ने उद्योगपति से पहले 40 हजार निवेश करवाए गए और 50 हजार लौटाकर भरोसा पक्का कर दिया।

फिर मुनाफे का लालच देकर जाल में फंसाया लिया। और फिर छह महीनों में 50 से ज्यादा बार ऑनलाइन निवेश कराया। ठगों की बताई वेबसाइट पर निवेश की रकम चार गुना बढ़ती दिखाई दी।

उद्योगपति ने रुपए निकालने चाहे तो ठग टैक्स मांगने लगे। जिससे ठगी का एहसास हुआ और उद्योगपति ने पुलिस से शिकायत की वही साइबर क्राइम पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू दी है। दअरसल ग्वालियर के मुरार क्षेत्र काशीपुरा में रहने वाले 75 साल के बुजुर्ग दुर्गा शंकर गत्ता कारोबारी हैं। उनका पैकिंग मटेरियल बनाने का बड़ा कारोबार है। 28 जून को फेसबुक पर उन्हें इंग्लैंड की युवती बताने वाली एक प्रोफाइल से मैसेज आया। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों में बातचीत होने लगी फिर एक-दूसरे को मोबाइल नंबर भी शेयर कर दिया। लड़की बनकर बात कर रहे ठग ने खुद को द्दश्चद्बस्र/स्रद्दद्बष्द्बह्लद्ब×.ष्द्ब नामक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म पर निवेश करने का ऑफर दिया। मोटे मुनाफे का सपना दिखाया और 222.स्रद्दद्ब-ष्द्बह्लद्यद्बश्च.ष्द्ब के नाम की वेबसाइट पर पैसा लगाने को कहा। भरोसा जितने के लिए पहले कम रकम लगाकर चेक करने के लिए कहा।

ठगों की बातों में फंसकर बुजुर्ग उद्योगपति ने पहले 40 हजार रुपए निवेश किए। अगले ही दिन उनके खाते में 50 हजार रुपए आ गए। जब रकम निकाली तो पैसा मिल भी गया। यहीं से भरोसा पुख्ता हो गया। इसके बाद कभी एक लाख तो कभी दो लाख करते हुए 5 महीने में 100 से ज्यादा बार उन्होंने वेबसाइट पर गया और 1 करोड़ 41 लाख रुपए का निवेश कर दिया।

ऑनलाइन अकाउंट में रकम चार गुना बढ़ती दिखने लगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति किया आभार प्रकट

डबल इंजन सरकार का बड़ा तोहफा - छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के लिए 7,470 करोड़

छत्तीसगढ़ बन रहा रेल सुविधा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य - मुख्यमंत्री साय

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना विकास के लिए 7,470 करोड़ के ऐतिहासिक बजट प्रावधान किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार के सतत प्रयासों से छत्तीसगढ़ में आज रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। वर्ष 2009ङ्क14 के दौरान वार्षिक औसत ?311 करोड़ की तुलना में 2026ङ्क27 में ?7,470 करोड़ का बजट प्रावधान लगभग 24 गुना वृद्धि का रिकॉर्ड है। वर्तमान में राज्य में ?51,080 करोड़ के रेल कार्य प्रगति पर हैं, जिनमें नए ट्रैक निर्माण, स्टेशनों का पुनर्विकास तथा सुरक्षा उन्नयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुदूर वनांचल बस्तर में जगदलपुर को जोड़ने वाले रावघाटङ्कजगदलपुर रेल प्रोजेक्ट का प्रारंभ होना बस्तर के जनजातीय समाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक अमूल्य उपहार है, जो क्षेत्रीय विकास की नई राह प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि परमलकसा-खरसिया कॉरिडोर के साथ-साथ नए फ्रेट कॉरिडोर को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं से आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में यात्री गाड़ियों की संख्या आने वाले समय में लगभग दोगुनी हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत राज्य के 32 रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें डोंगरगढ़ (फेज-द्ब), अंबिकापुर, भानुप्रतापपुर, भिलाई और उरकुरा जैसे स्टेशन पूर्ण हो चुके हैं। इसके साथ ही राज्य में वंदे भारत एक्सप्रेस की 2 जोड़ी तथा अमृत भारत एक्सप्रेस की 1 जोड़ी सेवाएँ यात्रियों को तेज, सुरक्षित और आधुनिक रेल सुविधा प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक लगभग 1,200 किलोमीटर नए रेल ट्रैक का निर्माण, 100 प्रतिशत विद्युतीकरण, 170 फ्लाईओवर/अंडरपास तथा 'कवच' जैसी आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों की स्थापना से रेल सुविधा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ की जनता की ओर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव को इन युगांतकारी पहलों के लिए हृदय से धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि यह विकास केवल रेल पटरियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे प्रदेश के व्यापार, पर्यटन, उद्योग, रोजगार और आमजन के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

शब-ए-बारात पर आतिशबाजी पर हाईकोर्ट सख्त

पर्यावरण के लिए खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल पर लगी रोक

कोलकाता (एजेंसी)। अब से कुछ घंटे बचे है कि देश भर में देशभर में शब-ए-बारात का त्योहार मनाया जाएगा। इस बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने शब-ए-बारात के मौके पर अवैध और पर्यावरण के लिए खतरनाक पटाखों के इस्तेमाल पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) और पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि त्योहार के दौरान ऐसे किसी भी पटाखे को फोड़ने की इजाजत न दी जाए जो कानूनन प्रतिबंधित हों या पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हों। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक पटाखों का इस्तेमाल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की डिवीजन बेंच ने दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी होगी कि याचिकाकर्ता और उनके परिवार को शब-ए-बारात के दौरान पर्याप्त सुरक्षा दी जाए।

कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता की शिकायत शब-ए-बारात के दौरान पटाखे फोड़ने से संबंधित है और उसने कोर्ट से जरूरी निर्देश देने का अनुरोध किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि लोगों द्वारा किसी भी प्रकार के अवैध पटाखे का उपयोग न किया जाए और इसके उपयोग के लिए समयसीमा निर्धारित की जाए। बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने शब-ए-बारात के अवसर पर बुधवार (3 फरवरी) को राज्य में अवकाश घोषित किया है।

संधु जल संधि पर भारत का कड़ा रुख, हेग कोर्ट का आदेश मानने से साफ इनकार

पाकिस्तान को लगा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की चालबाजी पर भारत ने एक बार फिर करारा प्रहार किया है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' के उस आदेश को मानने से इनकार कर दिया है, जिसमें भारतीय जलविद्युत संयंत्रों के परिचालन रिकॉर्ड मांगे गए थे। भारत ने दो टूक कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय अवैध रूप से गठित किया गया है, इसलिए भारत इसके अधिकार क्षेत्र और आदेशों को मान्यता नहीं देता। भारत के इस सख्त रवैये से पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घेराबंदी करने की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। हेग स्थित मध्यस्थता न्यायालय ने भारत को निर्देश दिया था कि वह 9 फरवरी 2026 तक अपने जलविद्युत संयंत्रों, विशेष रूप से बगलिहार और किशनगंगा परियोजनाओं की 'पोंडेज लॉगबुक' (परिचालन रिकॉर्ड) प्रस्तुत करे। अदालत ने कहा था कि इन दस्तावेजों का उपयोग 'गुण-दोष के आधार पर दूसरे चरण' की सुनवाई में किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि दस्तावेज नहीं सौंपे जाते हैं, तो भारत को इसका औपचारिक स्पष्टीकरण देना होगा। कोर्ट ने 2 और 3 फरवरी को हेग के पीस पैलेस में सुनवाई निर्धारित की थी और रिकॉर्ड में दर्ज किया कि भारत ने न तो कोई प्रति-स्मृति पत्र दाखिल किया और न ही कार्यवाही में भाग लेने का कोई संकेत दिया।

भारत का जवाब- अवैध कोर्ट के संचार का उत्तर देना जरूरी नहीं

सरकारी सूत्रों के अनुसार, भारत ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह तटस्थ विशेषज्ञ (ह्लद्गह्वह्लह्म्ड्डद्य श्व×श्चद्गह्म्ह्ल) की प्रक्रिया के अलावा किसी भी समानांतर कार्यवाही को वैध नहीं मानता। भारत का कहना है कि यह तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन अवैध रूप से गठित है, इसलिए हम इसके किसी भी संचार या नोटिस का जवाब नहीं देते। भारत ने साफ कर दिया है कि वह इन कार्यवाहियों का बहिष्कार जारी रखेगा। विवाद की असल वजह पिछले साल अप्रैल में पहलगाम में हुआ आतंकी हमला है, जिसके बाद भारत ने सख्त कदम उठाते हुए औपचारिक रूप से सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया था। भारत का तर्क है कि जब संधि ही स्थगित है, तो वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर जवाब देने के लिए बाध्य नहीं है। वहीं, पाकिस्तान इस मुद्दे को लेकर पिछले 9 महीनों से बौखलाया हुआ है।

लोकसभा में चीन पर राहुल गांधी के दावे से हंगामा, राजनाथ सिंह ने कर दिया चैलेंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के चौथे दिन सोमवार को लोकसभा में उस समय जोरदार हंगामा देखने को मिला, जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच डोकलाम मुद्दे को लेकर तीखी बहस हो गई। राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया और उनके बयान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए।

इसी चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या द्वारा कांग्रेस पर भारतीय संस्कृति को लेकर लगाए गए आरोपों को खारिज किया और कहा कि उनकी पार्टी इसका जवाब देगी। इसके बाद राहुल गांधी ने डोकलाम से जुड़े मुद्दे पर पूर्व थल सेनाध्यक्ष मनोज नरवणे की एक किताब का हवाला देते हुए बोलना शुरू किया।

राहुल गांधी के इस बयान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तुरंत खड़े हो गए। उन्होंने सवाल किया कि जिस किताब का जिक्र किया जा रहा है, क्या वह वास्तव में प्रकाशित हुई है या नहीं?

राजनाथ सिंह ने कहा कि किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है, इसलिए उसके आधार पर बयान देना ठीक नहीं है। इस पर सदन में शोर-शराबा शुरू हो गया। स्पीकर ने राहुल गांधी से अपने स्रोत को प्रमाणित करने के लिए कहा।

ममता काली शॉल ओढ़कर मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलीं :बैठक से नाराज होकर निकलीं

ऐसा झूठा चुनाव आयुक्त कभी नहीं देखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ष्टरू ममता बनर्जी ने सोमवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ काली शॉल ओढ़कर दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की। उनके साथ एसआईआर प्रभावित 13 परिवार और टीमएसी के नेता भी थे।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने बताया कि ममता ने अपने मुद्दे ष्टश्वष्ट को बताए लेकिन उनका जवाब सुने बिना ही नाराज होकर चली गईं। मुलाकात के बाद ममता ने कहा, मैं बहुत दुखी हूं। मैं दिल्ली की राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हूं। मैंने आज तक ऐसा अहंकारी और झूठा चुनाव आयुक्त नहीं देखा। वह इस तरह से बात करते हैं जैसे वह जमींदार हों और हम नौकर।

उन्होंने हमारा अपमान किया, हमें शर्मिंदा किया। हमने कहा आपके पास भाजपा की ताकत है, हमारे पास जनता की ताकत है। हमने बैठक का बॉयकाट कर दिया।

बाद में ममता ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के दलाल की तरह काम कर रहा है। इसके पहले सुबह ममता ने दिल्ली पहुंचते ही कहा कि वे स्ढ्ढक्र के मुद्दे पर लड़ाई जारी रखेंगी। अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे मिलने पहुंचे टीएमसी नेताओं से कहा कि जो भी कानून अपने हाथ में लेगा, उसके खिलाफ कानून और चुनाव आयोग को मिली शक्तियों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।इस बीच, हेली रोड और चाणक्यपुरी स्थित दोनों बंग भवनों के बाहर दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती की गई है। ममता ने आरोप लगाया कि बंगा भवन में ठहरे बंगाल के लोगों को धमकाया जा रहा है। वहां भारी संख्या में पुलिस डराने के लिए तैनात की गई है।

ममता ने कहा हमारा मामला सुप्रीम कोर्ट में है। लोगों की मौत हुई है, तो क्या उनके परिवार मीडिया से बात भी नहीं कर सकते?

ममता ने कहा, जब मैं यहां आती हूं तो ये लोग घबरा जाते हैं। मैं चाहती तो लाखों लोगों को साथ ला सकती थी। दिल्ली को जमींदारी जैसा बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां गरीबों के लिए जगह नहीं है। ममता ने दिल्ली पुलिस से कहा कि स्ढ्ढक्रसे प्रभावित परिवारों को परेशान न किया जाए। हम यहां न्याय के लिए आए हैं। पुलिस ने बताया कि ममता की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस की तैनाती की गई थी। बंगाल में 58 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे दरअसल, चुनाव आयोग ने 19 दिसंबर 2025 को पश्चिम बंगाल में हुए स्ढ्ढक्रकी नई वोटर लिस्ट जारी की।

सुप्रीम कोर्ट में कहा वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, जहर उगलने नहीं दे सकते

सरकार बोली- वांगचुक लद्दाख को नेपाल-बांग्लादेश बनाना चाहते थे

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक लद्दाख को नेपाल या बांग्लादेश जैसा बनाना चाहते हैं। ऐसे व्यक्ति को और जहर उगलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बैंच लद्दाख हिंसा मामले में एक्टिविस्ट वांगचुक की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा,

वांगचुक के भाषण में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा सीधा खतरा दिखता है। जिला मजिस्ट्रेट (ष्ठरू) ने हालात को देखते हुए गिरफ्तारी का सही फैसला लिया।

मेहता ने कहा कि नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे उदाहरण देना, युवाओं को भड़काने और देश की एकता के खिलाफमाहौल बनाने के बराबर है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पर्याप्त आधार है। मामले की सुनवाई अब मंगलवार को दोपहर 2 बजे फिर होगी।

दरअसल, 24 सितंबर 2025 को लेह में हुई हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (हृस्न) के तहत 26 वांगचुक को पुलिस ने हिरासत में लिया गया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं।

सुप्रीम कोर्ट नजरबंदी आदेश की पर्याप्तता नहीं परखता, यह जिलाधिकारी के अपने आकलन का मामला है।

भाषण का राष्ट्रीय सुरक्षा से सीधा लिंक- सोनम वांगचुक के भाषण में दिए बयान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा दिखाते हैं। नेपाल-बांग्लादेश जैसे बदलाव का संदर्भ- ऐसे उदाहरण देना और कहना कि जेल जाने से बदलाव आएगा, हृस्न लगाने के लिए पर्याप्त है।

लद्दाख की संवेदनशीलता और ष्ठरू की जिम्मेदारी- लद्दाख सेना की सप्लाई चेन के लिए अहम है, ऐसे में कार्रवाई न करना ष्ठरूकी कर्तव्यहीनता होती।

इससे पहले वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंग्मो ने 12 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि उनके पति को हिरासत में लेने के फैसले में अधिकारियों ने ठीक से सोच-विचार नहीं किया। उन्हें बेकार व गैर-जरूरी बातों के आधार पर नजरबंद किया गया।

अंग्मो की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच में दावा किया कि जिन चार वीडियो के आधार पर नजरबंदी की गई वे सोनम वांगचुक को दिए ही नहीं गए। इससे उनका अपना बचाव में सही ढंग से बात रखने का अधिकार छिन गया। वीडियो नहीं देने से वांगचुक का सलाहकार बोर्ड और सरकार के सामने अपनी बात रखने का अधिकार प्रभावित हुआ है। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (हृस्न) के तहत हिरासत में लिया गया था। वह लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आन्दोलन कर रहे थे। आन्दोलन के दौरान हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद उनकी गिरफ्तारी की गई थी। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे। सरकार का आरोप है कि वांगचुक ने इस हिंसा को भड़काया।

ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है। अंग्मो ने कहा कि 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा का सोनम वांगचुक के बयानों या कामों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने बताया कि वांगचुक ने खुद सोशल मीडिया पर हिंसा की निंदा की थी और कहा था कि हिंसा से लद्दाख का शांतिपूर्ण आंदोलन विफल हो जाएगा।

20 हजार करोड़ से यूपी में ट्रेनों को मिलेगी रफ्तार, चमकदार और आधुनिक होंगे रेलवे स्टेशन

बढ़ेगी सुरक्षा

लखनऊ(एजेंसी)। केंद्रीय बजट में यूपी में रेलवे के कायाकल्प के लिए 20012 करोड़ रुपये का इंतजाम किया गया है। इससे प्रदेश में ट्रेनों को रफ्तार देने, हाईस्पीड ट्रैक, अत्याधुनिक रेलवे स्टेशनों, सेफ्टी आदि से जुड़े कार्य कराए जाएंगे। दिल्ली में सोमवार को प्रेसवार्ता में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी। इसका हजरतगंज स्थित उत्तर व पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के डीआरएम कार्यालयों में भी प्रसारण हुआ।

इसके बाद मंडल रेल प्रबंधक सुनील वर्मा एवं गौरव अग्रवाल ने प्रेसवार्ता कर बताया कि गत वर्ष बजट में यूपी में रेलवे की गतिविधियों के लिए 19858 करोड़ रुपये दिए गए थे, जो इस बार बढ़ाकर 20012 करोड़ रुपये किए गए हैं। यह कांग्रेस की सरकारों में दिए गए बजट से कई गुना अधिक है। बजट में खास बात यह है कि देशभर में सात हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाने हैं, जिसमें दो यूपी को मिले हैं।

दिल्ली से वाराणसी व वाराणसी से सिलिगुड़ी के बीच हाईस्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसकी डीपीआर जल्द तैयार की जाएगी। हालांकि ट्रेनें किन रूटों से गुजरेंगी, इससे संबंधित सवालों के जवाब रेलमंत्री ने नहीं दिए। उन्होंने बताया कि दिल्ली से वाराणसी हाईस्पीड कॉरिडोर यूपी के कई शहरों को जोड़ेगा। यह यात्रा 3.50 घंटे में पूरी हो सकेगी। दिल्ली से सिलीगुड़ी तक इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेगा।

पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम गौरव अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश में 7746 करोड़ रुपये की लागत से 157 स्टेशनों का अमृत भारत स्टेशन स्कीम में विकास कराया जा रहा है। इसमें 22 स्टेशनों पर काम पूरा हो चुका है। लखनऊ के बादशाहनगर, डालीगंज, सिटी आदि स्टेशनों को विकसित कर दिया गया है। उत्तर रेलवे के डीआरएम सुनील वर्मा ने बताया कि प्रदेशभर में 4330 रूट किमी रेलखंड पर कवच सिस्टम सुरक्षा के लिए लगाया जाएगा। 71 रूट किलोमीटर सेक्शन में लग चुका। इसके अतिरिक्त वर्ष 2014 से अब तक 5500 किमी रेलखंड का निर्माण हो चुका है। जो स्विट्जरलैंड के रेलवे नेटवर्क के बराबर है। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यूपी में वर्ष 2014 से अब तक 7,176 किमी रेलवे लाइन इलेक्ट्रिफाइड हो चुकी है।

खबर-खास

युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बनते ही अमन ने लिया वरिष्ठों का आशीर्वाद

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए जिले के जिलाध्यक्ष पद पर अमन वर्मा को नियुक्त किया है। अमन इसके पूर्व युवा मोर्चा में जिला महामंत्री रहे हैं। इनके पास पूरे जिले भर में युवाओ की अच्छी टीम है। लंबे समय से युवा मोर्चा में काम करने का अनुभव होने पश्चात जिलाध्यक्ष पद पर नियुक्ति पश्चात जिले के युवाओं ने हर्ष व्याप्त है। नियुक्ति पर अमन ने प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव, मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिया, जिला अध्यक्ष एऐतराम साहू, सांसद

रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, बसना विधायक डॉ संपत अग्रवाल छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, भारत राज्य मुख्य आयुक्त स्काउट इंद्रजीत सिंह गोल्डी, पूर्व राज्यमंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक विमल चोपड़ा, पीयूष मिश्रा सहित जिले के वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि पार्टी ने मुझे जो जवाबदारी सौपी है, उस पर मैं पूरा खरा उतरने का प्रयास करूंगा और पार्टी की रीति-नीति का पालन करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी में जोड़कर पार्टी को मजबूत करने का कार्य पूरी निष्ठा से करूँगा। इस अमन वर्मा अपने टीम के साथ रायपुर के वरिष्ठ नेताओं से सौजन्य मुलाकात के दौरान पीयूष मिश्रा से मिलकर पार्टी हित में अहम चर्चा परिचर्चा किये।

निर्धन और जरूरत मंद बच्चो की पढ़ाई मे सहयोग के लिए सुभम छात्र वृत्ति योजना मे किया दान

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मनवा क्षत्रिय समाज पाटन राज द्वारा० निर्धन जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए शुभम छात्रवृत्ति योजना संचालित की गई है इस योजना से जरूर बच्चों की पढ़ाई में मदद के लिए ब्याज मुक्त राशि प्रदान की जाती है दानदाताओं द्वारा लगातार इस मद में राशि दी जा रही है इसी कड़ी को आगे बढ़ते हुए पंदर राज्य अधिवेशन में ज़रूरत मंद विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए स्व श्रीमती कुसुमलता नायक की स्मृति में खूबी नायक पंदर द्वारा मनवा कुर्मी समाज पाटन राज को शुभम छात्रवृत्ति कोष में 50000रु की सहयोग राशि राजधिवेशन पंदर में प्रदान किया साथ ही पूर्व केंद्रीय अध्यछ मन्नू लाल परगनीहा द्वारा 10000 स्व धनीराम वर्मा अमेरी की स्मृति मे शिव वर्मा द्वारा 5000 और स्व राकेश वर्मा बोरीद की स्मृति मे 4100 दान किया दान दाताओ ने बताया की राज प्रधान युगल आडिल द्वारा निर्धन और जरूरत मंद बच्चो की पढ़ाई मे लगातार सहयोग प्रदान किया जा रहा है जिसको ध्यान मे रखकर हम यह सहयोग राशि प्रदान कर रहे है पाटन राज द्वारा बच्चो के लिए कैरियर काउंसलिंग के लिए लगातार कार्यक्रम की जा रही है जो प्रसंसनीय है।

बिजली विभाग ने मनाया प्रदेश .की प्रगति का उत्सव

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण, श्री ललित चन्द्राकर ने प्रदेश की ऊर्जा शक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल)दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत संचारण-संधारण संभाग दुर्ग द्वारा सीएसआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने विभाग की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित किया।

मुख्य अतिथि की आसंदी से जनसमुदाय को संबोधित करते हुए श्री चन्द्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ बिजली के मामले में सरप्लस राज्य है, जो हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा निवेश छत्तीसगढ़ में आएगा क्योंकि यहाँ पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। जब भारत 2047 में विकसित राष्ट्र बनेगा, तब उसमें छत्तीसगढ़ की बिजली का योगदान सर्वोपरि होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया कि वे अब ग्रीन एनर्जी की ओर कदम बढ़ाएं ताकि विकास के साथ पर्यावरण भी सुरक्षित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू ने की। इस अवसर पर विभाग के प्रति समर्पित सेवा देने वाले रिटायर्ड अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समय पर बिजली बिल भुगतान और ऊर्जा संरक्षण करने वाले आदर्श घरेलू, कृषि और बीपीएल श्रेणी के उपभोक्ताओं तथा सर्वप्रथम सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

समारोह स्थल पर बिजली विभाग द्वारा विशेष स्टाल और प्रोजेक्टर के माध्यम से पीएम सूर्य घर योजना एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ ठेलका मे समापन

साजा (समय दर्शन)। साजा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत ठेलका में दिव्य ज्योति जागृति संस्था श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ विश्व स्वरूप जगतगुरु भगवान श्री कृष्ण एवं राधा रानी की असीम अनुकंपा एवं दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी एवं पूर्वजों के शुभाशीष से हमारे निज निवास ग्राम ठेलका में मेरे पूज्यपिता स्वर्गीय श्री अश्वनी साहू जी गौंटिया के पुण्य

स्मृति में वार्षिक बरसी कार्यक्रम मैं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का कार्यक्रम रखा गया था 27 जनवरी 2026 से प्रारंभ होकर 2 फरवरी 2026 को समापन हुआ। जिसमें सभी श्रद्धालु गण के लिए भोजन प्रसादी का रसपान कराया गया था। कथा व्यास साध्वी सुश्री

कालिंदी भारती जी ने आपने वचन से सभी श्रद्धालु गण को भगवत गीता का रसपान कराया। 3 फरवरी 2026 को बरसी का कार्यक्रम रखा गया है जिसमें आयोजक परिवार श्रीमती उर्मिला साहू (धर्म पत्नी), श्री संतोष, अमिता साहू (पुत्र, पुत्रवधु), श्री परमानंद खिलेश्वरी साहू (पुत्र पुत्रवधु), भार्गव साहू, गौरव साहू (पौत्र) भागवत शरणार्थी, श्री महेंद्र सविता साहू, श्री बृजभूषण किरण साहू, श्री टोकेश्वर साहू यामिनी साहू, श्रीमती नेहा किशोर साहू, श्रीमती जीतेश्वरी हिमांशु साहू, श्रीमती पूजा अनिल साहू, श्रीमती माधुरी योगेश साहू, सह परिवार उपस्थित थे।

संत रविदास जी की जयंती पर संत रविदास मंदिर में पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर समाज में समरसता और मानवता का संदेश देने वाले महान संत रविदास जी की जयंती पर आज शंकरपुर स्थित संत रविदास मंदिर एवं महावीर चौक स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संत रविदास जी की प्रतिमा की पूजा अर्चना की गई और कार्यक्रम में भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विहिप के प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अरुण गुप्ता, विहिप विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्निहोत्री, जिला कोषाध्यक्ष लव मिश्रा, विहिप जिला सेवा प्रमुख राज तंवर, बजरंग दल के जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, जिला गौ रक्षा प्रमुख प्रशांत हाथीबेड, नगर संयोजक मोहित यादव, नगर गौ रक्षा प्रमुख प्रणय मुल्लेवार, नगर साप्ताहिक सह मिलन प्रमुख सारंग ताम्रकार और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर संत रविदास जी के विचारों को साझा करते हुए उनके जीवन और कार्यों पर प्रकाश डाला गया। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में भाईचारे को बढ़ावा देना और हर वर्ग के लोगों को जोड़ना है। संत रविदास जी का संदेश आज भी समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणास्त्रोत बना हुआ है।

पिथौरा रेंजर सालिकराम डड़सेना हुए सेवानिवृत्त

पिथौरा (समय दर्शन)। सेवानिवृत्त सालिकराम डड़सेना का सम्मान जनक विदाई कम सम्मान समारोह के रूप कार्यक्रम आयोजित किया गया । स्थानीय परिक्षेत्र कार्यालय के प्रांगण में एक समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सालिकराम डड़सेना एवं विशिष्ट अतिथि उनकी धर्मपत्नी संतोषी डड़सेना थी। अध्यक्षता संयुक्त वनमंडलाधिकारी सरायपाली यू0 आर0 बंसत ने किया।

वही कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथियो में न्यायिक मजिस्ट्रेट पिथौरा शौरभ बारा एवं न्यायिक मजिष्ट्रेट बसना मंजीत जांगड़े थे । विशिष्ट अतिथिगण सेवानिवृत्त सहायक वनसंरक्षक आरपी साहू, सुश्री डिम्पी बैस संयुक्त वनमंडलाधिकारी पिथौरा , सेवानिवृत्त रेंजर बीआर खुंटे , विजय शंकर साहू, अभिराम साहू, तोषराम सिन्हा , एवं पिथौरा रेंज का नव प्रभारी रेंजर सुखराम निराला के साथ पिथौरा नगर की पार्षद श्रीमती रामकुंवर सिन्हा जी थे । कार्यक्रम मे सालिकराम के कार्यकाल मे किए गए कार्यो , उनके नेतृत्व क्षमता पर एवं व्यक्तित्व की काफी तारीफहुई । उद्बोधन के रूप मे मंचासीन अतिथियो के अतिरिक्त उपस्थित श्रृंखला साहित्य मंच के प्रवीण प्रवाह, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के ब्लाक अध्यक्ष उमेश दीक्षित सेवानिवृत डिप्टीरेंजर रमेशसिंह ठाकुर के साथ अन्य वक्ताओ ने अपने विचार रखते हुए श्री डड़सेना के कार्यो की सराहना किये । वही सेवानिवृत्त डिप्टीरेजर रतनसिंह डड़सेना ने सालिकराम के जन्म से लेकर सेवानिवृत्ति तक उनके व्यक्तित्व एवं जीवनशैली का परिचय पर प्रकाश डालते हुए जन्म से लेकर सेवानिवृत्ति तक का विस्तृत विवरण का वाचन किया । वही मुख्यअतिथि के रूप मे सालिकराम डड़सेना ने भावुक होकर बताया कि वे 1983 में काष्ठागार पिथौरा से दैनिक वेतन पर कार्य प्रारंभ किया, 1990 में वनरक्षक 2012 मे वनपाल एवं 2018 में उपवनक्षेत्रपाल के पद पर पदोन्नत हुए । अपनी सेवाएं बस्तर के चारामा, कांकेर,भानुप्रतापपुर , उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व, बलौदाबाजार में बारनवापारा - चरौदा, देवपुर, के अलावा महासमुंद, कसडोल में भी रेंजर के रूप मे अपनी सेवाए दी । श्री डड़सेना ने बताया कि वे प्रारंभ से ही भारतीय मजदूर संघ का नेतृत्व अविभाजित जिला रायपुर के अरुण कुमार चौबे के मार्गदर्शन मे किया । भारतीय मजदूर संघ के नागदा, बैंगलोर, दिल्ली, भोपाल , अधिवेशनो मे सामिल हुए । भारतीय मजदूर के नेतृत्व में सैकड़ो कर्मचारियो को नियमित कराने मे विशेष सराहनीय योगदान रहा ।

शिक्षा डिग्रियों तक सीमित नहीं, यह चरित्र निर्माण की नींव है -विधायक डॉ संपत अग्रवाल

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गढ़फुलझर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 'स्वर्ण जयंती समारोह' एवं 'वार्षिकोत्सव' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस गौरवशाली अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत् पूजा-अर्चना के साथ किया गया।

समारोह के दौरान विधायक डॉ. अग्रवाल ने विद्यालय के उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जिन्होंने शैक्षणिक एवं खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इसके साथ ही, उन्होंने शिक्षा के प्रति समर्पित अध्यापकों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए।

स्वर्ण जयंती समारोह एवं वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने शिक्षा के महत्व पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा उत्तीर्ण करना या डिग्रियां हासिल करना मात्र नहीं है। वास्तव में, शिक्षा वह सबसे प्रभावी माध्यम है जो समाज को एक सकारात्मक दिशा प्रदान करती है। यह बच्चों के चरित्र निर्माण और उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की नींव है। उन्होंने उपस्थित अभिभावकों से संवाद करते हुए आग्रह किया कि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का डटकर सामना कर सकें।

विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों की कला और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए विधायक डॉ. अग्रवाल ने कहा कि आज इन बच्चों की प्रतिभा देखकर मेरा मन गद्गद हो गया है। इन छोटे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से न केवल मनोरंजन किया, बल्कि अपनी रचनात्मकता से सभी को अचंभित कर दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसी छिपी हुई प्रतिभाओं को सही मंच प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है।

विधायक ने स्वर्ण जयंती के अवसर पर विद्यालय परिवार को बधाई दी और विश्वास जताया कि यह संस्थान आने वाले समय में सफलता के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल और यशस्वी भविष्य की मंगलकामनाएं करते हुए अपना संबोधन समाप्त किया।

कार्यक्रम में संचालक शिक्षा विभाग गोपाल ताण्डी,जिला महामंत्री भाजपा जितेन्द्र त्रिपाठी,मंडल अध्यक्ष गड़फुलझर नरहरि पोर्ते, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मिलापराम निराला,उपाध्यक्ष जनपद पंचायत बसना मोहित पटेल,सभापति जनपद पंचायत बसना प्रकाश सिन्हा,सरपंच ग्राम पंचायत गढ़फुलझर हरप्रीत कौर,विधायक प्रतिनिधि खोलबाहरा निराला,प्राचार्य गढ़फुलझर सुरेश पटेल,जिला मीडिया प्रभारी भाजपा महासमुंद नवीन साव,पूर्व सोसायटी अध्यक्ष शिव किशोर साहू,महामंत्री भाजपा मण्डल गढ़फुलझर रंजन साहू,पूर्व मण्डल उपाध्यक्ष सुंदरमणि मिश्रा,विधायक कार्यालय प्रभारी हरजिन्दर सिंह 'हरजु',सेवानिवृत्त प्राचार्य लोरेंसिंघा बाबूलाल राणा,सेवानिवृत्त प्राचार्य बरौली (स्रष्ट अध्यक्ष) एल. एन. पांडेय,उपाध्यक्ष भाजपा मण्डल गढ़फुलझर नरेंद्र साहू,सेवानिवृत्त शिक्षक कमल लोचन प्रधान,सेवानिवृत्त प्राचार्य के.एम.साव,सेवानिवृत्त प्रधान पाठक टिकेलाल साव,ग्राम पटेल (ब्लॉक अध्यक्ष) जोगेन्दर सिंह जटाल,पूर्व संयोजक शिक्षा प्रकोष्ठ डॉ सोमनाथ पांडे, पंच सुशीला बरीहा, पंच दुष्यंत पांडे,मीडिया प्रभारी बसना सुखदेव वैष्णव,निज सचिव नरेंद्र बोरे,क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, शिक्षकगण ,विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य, भारी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न, चार सेवाभावी श्रद्धालुओं ने किया नेत्रदान का संकल्प

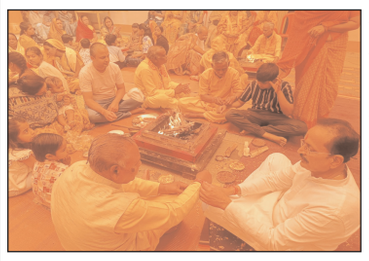

बसना (समय दर्शन)। योग ,साधना, संस्कार, नैतिक शिक्षा, राष्ट्र प्रेम एवं व्यक्ति निर्माण तथा सामाजिक समरसता का केंद्र कहे जाने वाले बसना के सिद्ध गायत्री शक्तिपीठ में आयोजित तीन दिवसीय कन्या कौशल एवं नारी सशक्तिकरण शिविर तथा नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का भव्य समापन हुआ। इस आयोजन में न केवल आध्यात्मिक चेतना का प्रसार हुआ, बल्कि सामाजिक सरोकार की मिसाल भी पेश की गई। जहाँ चार श्रद्धालुओं ने मरणोपरांत नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरकर मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य मंगल कलश यात्रा से हुई, जिसमें सरस्वती शिशु मंदिर पिरदा के घोष दल का विशेष सहयोग रहा। कलश यात्रा के पश्चात नौ कुंडीय महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। जिसमें क्षेत्र के लगभग 2000 से अधिक श्रद्धालुओं ने इस परम दुर्लभ यज्ञ में भाग लेकर जीवन कृतार्थ किया। महायज्ञ के दौरान आयोजित बौद्धिक सत्रों में सीताराम विश्वकर्मा ने 'मनुष्य जीवन की समस्या और समाधान' पर व्यावहारिक दिशा-निर्देश दिए।

इसके उपरांत बसना क्षेत्र के प्रख्यात कथा वाचक देवराज मिश्रा ने अपने सस्वर कथा प्रवाह मे 'मनुज देवता बनें, बने यह धरती स्वर्ग समान' विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान देते हुए मानवीय मूल्यों को पुनर्स्थापित करने पर बल दिया। आयोजन की सबसे विशेष उपलब्धि सामाजिक चेतना के प्रति श्रद्धालुओं का उत्साह रहा। पूज्य गुरुदेव के 'नर सेवा ही नारायण सेवा' के संदेश से प्रेरित होकर चार व्यक्तियों ने नेत्रदान हेतु फॉर्म भरा। उनके इस निर्णय की गायत्री परिवार और नगरवासियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। रात्रि में माता भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी पर भावपूर्ण वीडियो प्रदर्शन किया गया। अंतिम दिन शांति कुंज हरिद्वार की प्रशिक्षित टोली द्वारा नौ कुंडीय यज्ञ के साथ पुंसवन, दीक्षा, मुंडन, नामकरण और जन्मदिवस उत्सव जैसे विभिन्न संस्कार नि:शुल्क संपन्न कराए गए।

सेलूद में रामटोली के निकाली गई श्री राम ग्रंथ शोभायात्रा, जयश्री राम की गूंजे जयकारे

सेलूद (समय दर्शन)। सनातनियों की धरती स्वतंत्रता संग्राम की पावन भूमि सेलूद में रोज सुबह सुबह गांव के महिला पुरुष गाजे बाजे के साथ रामधुन में प्राभातफेरी करके पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय करते है द्य इसी तारतम्य में मानस गान प्रतियोगिता के पुनीत अवसर पर रामटोली के द्वारा रामचरित मानस ग्रंथ की विशाल शोभायात्रा का आयोजन गाँव की माता बहनों के द्वारा किया गया। बता दे कि ग्रामीण जन सुबह पांच बजे कर्मा भवन में एकत्रित होकर विभिन्न गलियों में घूमघूम कर रामरसधारा बहाने का पुनीत काम करते है द्यद्य ग्रामीण जन धर्म के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के आयोजन करते आ रहे है द्य एकत्तीसवा वर्ष के मानस गान प्रतियोगिता के आयोजन इस बात का प्रमाण है कि सेलूद धर्म नगरी है जहां पर विभिन्न धर्म के मानने वाले लोग एक साथ भाईचारा की भावना से आयोजन में भाग लेते है द्य दिनांक 1 फरवरी को शोभायात्रा रामायण स्थल से 11 बजे प्रारम्भ हुई जो गांव के भ्रमन करते हुए वापस रामायण स्थल पर समाप्त होगी द्य उक्त शोभायात्रा को आयोजित करने वाले रामटोली के संरक्षक और सदस्य के रूप में गांव के श्रीमति खेमिन साहू पूर्व सरपंच, रमेश देवांगन, खेमलाल साहू, सुरेंद्र बंछोर ग्राम प्रमुख, कृष्ण कुमार, अशोक यादव, टामन लाल साहू सोसायटी अध्यक्ष, कौशल बनपेला, अमरचंद साहू, नंद कुमार तिवारी, महेश्वर बनछोर, अनिल बनपेला, टी पी शर्मा, दिनेश बरहरे, रोमन दास वैष्णव, लक्ष्मण वर्मा, सीताराम यादव, अशोक यादव, लोकनाथ साहू, उमेश सिन्हा, घनश्याम कश्यप, प्रकाश साहू, ठाकुर राम साहू, नरोत्तम साहू आदि उपस्थित थे।

आवारा पशु की सुरक्षा के लिए संस्कार संस्थान से जुड़े बाल वैज्ञानिकों ने बनाया हाईटेक मवेशी रोड सेफ्टी डिवाइस

सिरपुर महोत्सव में मुख्यमंत्री के समक्ष बाल वैज्ञानिक खुशबू ने किया आपने मॉडल का प्रदर्शन

पिथौरा(समय दर्शन)। राष्ट्रीय राजमार्गों पर अचानक सामने आ जाने वाले आवारा पशुओं की वजह से होने वाले सड़क हादसों को कम करने के लिए संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा में कार्यरत बाल वैज्ञानिक खुशबू साहू और उनके साथी ने अपने मार्गदर्शक शिक्षक एवं युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर के साथ मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है। जिससे दुर्घटना रुकेगी भी और आवारा पशुओं की जिंदगी भी सलामत रहेगी। यह देखा जाता है कि रोड़ पर अचानक आवारा मवेशी के आ जाने से कई दुर्घटनाएं होती है जिसमें जान माल दोनों की हानि होती है। कभी कभी यह दुर्घटना में बहुत से लोगों की जान चली जाती है। परंतु अब इस दुर्घटना को रोकने के लिए संस्कार संस्थान के बाल वैज्ञानिकों ने एक ऐसा डिवाइस तैयार करके कमाल किया है जिससे मवेशी रोड पर नहीं आएंगे और नहीं दुर्घटना होगी। युवा वैज्ञानिक एवं मार्गदर्शक शिक्षक गौरव चंद्राकर ने बताया इस मॉडल का नाम हाईटेक मवेशी रोड सेफ्टी डिवाइस रखा गया है। जिसका प्रदर्शन सिरपुर महोत्सव में शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष किया। सिरपुर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर पहुंचे मुख्यमंत्री सहित महासमुंद विधायक राजू योगेश्वर सिन्हा , बसना विधायक संपत अग्रवाल ,महासमुंद कलेक्टर एसपी,जिला शिक्षा अधिकारियों ने मॉडल की प्रर्दशन देखकर काफी प्रशंसा किया तथा इस मॉडल को विशेष रूप से प्रशासनिक स्तर पर आगे बढ़ाने की बात कही।पाठकों को बता दे कि इस प्रोजेक्ट में बहुत सारी खासियत है जिसमें मवेशी के गले में बंधें रेडियम पट्टी पर ट्रांसमीटर सेंसर उच्च फ्रीक्वेंसी का लगा रहेगा है जो नेशनल हाईवे से लगे कंट्रोल रूम से कनेक्टिंग रहेगी। जैसे ही आवारा पशु नेशनल हाईवे रोड पर आयेगी तो कंट्रोल रूप में लगा बीप इंगित करेगी।यह बीप कंट्रोल रूम के साथ रोड में चल रहे ड्राइवर के मोबाइल के फोन पर भी मैसेज चला जाएगा कि सामने रोड पर मवेशी गाय बैल है ।सावधान सचेत होकर गाड़ी चलाएं। जिससे ड्राइवर सचेत होकर स्पीड को कंट्रोल कर सामान्य स्पीड में गाड़ी चलाएगा। इसके अलावा कंट्रोल रूम में लगा बीप से भी आवारा पशु रोड से अलग हो सकते हैं। इस मॉडल में एक और सिस्टम के माध्यम से कंट्रोल रूम में बैठे व्यक्ति भी जान जायेगा कि आवारा पशु का लोकेशन कहां पर है? उसे भगाने के लिए कंट्रोल रूम से टीम रवाना हो सकती है। इस मवेशी रोड़ सेफ्टी डिवाइस की सबसे बड़ी खासियत गाय के रेडियम पट्टी पर लगा सेंसर जैसे ही हाईवे रोड के सेंसर के नजदीक आएगा वैसे ही गाय को वाइब्रेशन के साथ हल्का झटका भी लगेगा जिससे मवेशी रोड से दुर चलीं जाएगी।

डॉ जाट ने कृषि विश्वविद्यालय की अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों की सराहना की

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक ने आईजीकेवी उत्पाद विक्रय काउंटर का किया अवलोकन

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के उत्पाद विक्रय काउंटर का दौरा कर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न कृषि उत्पादों, तकनीकों एवं मूल्य संवर्धित वस्तुओं का अवलोकन किया। डॉ जाट ने कृषि विश्वविद्यालय की इस अभिनव पहल की सराहना की. इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों तथा आईजीकेवी से संबद्ध कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) एवं एफ्पीओ प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस विक्रय केंद्र में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषक उत्पाद संगठनों तथा महिला स्व सहायता समूहों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों का विक्रय किया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान डॉ. जाट के साथ प्रमुख रूप से डॉ. डी. के. यादव, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), आईसीएआर; डॉ. राजवीर सिंह, उप महानिदेशक (विस्तार), आईसीएआर; डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, आईजीकेवी; डॉ. पी. के. रॉय, निदेशक, एनआईबीएसएम, रायपुर; डॉ. एस. आर. के. सिंह, निदेशक, अटारी जोन-द्वज्ञ, जबलपुर तथा डॉ. एस. एस. दुटेजा, निदेशक, विस्तार सेवाएं, आईजीकेवी, रायपुर उपस्थित थे। महानिदेशक ने आईजीकेवी की अनुसंधान, विस्तार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण गतिविधियों की समीक्षा की तथा विभिन्न महाविद्यालयों, केवीके एवं केवीके-समर्थित एफ्पीओ द्वारा तैयार उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने बाजारोन्मुख कृषि, मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग और व्यावसायीकरण पर विशेष बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह भ्रमण नवाचार-आधारित एवं किसान-केंद्रित कृषि विकास के प्रति आईसीएआर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

डस्टबिन से उद्योग तक- अंजना उरांव की आत्मनिर्भरता की उड़ान

रायपुर। कभी-कभी जीवन की दिशा बदलने के लिए किसी बड़े मंच, बड़े अवसर या बड़े संसाधन की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक डस्टबिन में पड़ा कागज़ का टुकड़ा भी जीवन की करवट बदल देता है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखण्ड के ग्राम तोलगा की अंजना उरांव की कहानी इसी सच्चाई को सशक्त रूप से सामने रखती है, जो कड़ी मेहनत और लगन से ही स्थायी सफलता हासिल की।

अंजना उरांव कोई उद्योगपति परिवार से नहीं आतीं, न ही उनके पास पूंजी, सिफ़ारिश या विशेष प्रशिक्षण था। वे जनपद पंचायत खड़गवां में एक अंशकालिक डाटा एंट्री ऑपरेटर हैं। स्नातकोत्तर डिग्री होने के बावजूद मात्र चार हजार रुपये मासिक मानदेय पर कार्यरत हैं। जीवन एक तयशुदा सीमित दायरे में चल रहा था, तभी एक दिन कार्यालय के डस्टबिन में उन्हें एक फटा हुआ पन्ना मिला। उस पन्ने पर लिखा था प्रधानमंत्री सृजन स्वरोजगार योजना वह पन्ना कचरा नहीं था, वह संभावना थी। अंजना ने उसे पढ़ा, समझा और उसी क्षण मन में यह निश्चय किया कि वे सिर्फ़ नौकरी करने वाली नहीं, बल्कि कुछ सृजित करने वाली बनेंगी।

विरोध, संदेह और संघर्ष का दौर- योजना की जानकारी लेने जब उन्होंने जनपद कार्यालय में चर्चा की तो अलग-अलग प्रतिक्रियाएँ मिलीं। किसी ने जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र जाने की सलाह दी, तो किसी ने यह कहकर हतोत्साहित किया कि बैंक और योजनाओं के चक्कर में पड़ना बेवकूफी है। लेकिन अंजना ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक रोचक बात भी बताई कि एक बार मोबाइल व अखबार में जिला कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का बयान आया था कि महिलाएं किसी से कम नहीं है, अपने हिम्मत से आगे बढ़ सकती हैं। यह वाक्य उनके दिमाग बसा था, इसी जुनून ने आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया। अंजना ने जब जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र से जानकारी लेने के बाद जब पोड़ी-बचरा क्षेत्र में फ्लाईऐश ईंट निर्माण इकाई देखी, तो उनके भीतर एक उद्यमिता जन्म लेने लगा। उन्होंने तय किया कि वे भी फ्लाईऐश ईंट उद्योग स्थापित करेंगी।

इसके बाद शुरू हुआ असली संघर्ष- दस्तावेज़ों की लंबी सूची, बैंकों के बार-बार चक्कर, ऋण अस्वीकृतियाँ और सामाजिक दबाव। मायके और ससुराल दोनों ओर से एक ही सलाह मिली यह लफड़ा मत पालो। अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें कि आप अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी हमारे मूलभूत अधिकार हैं-राज्यपाल डेका

रायपुर। पेट्रोलियम उत्पादों के विवेकपूर्ण उपयोग एवं ऊर्जा संरक्षण के उद्देश्य से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियों के सहयोग से संरक्षण क्षमता महोत्सव 'सक्षम 2025-26' का आयोजन 1 से 14 फरवरी तक किया जा रहा है।इस अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन आज स्थानीय सर्किट हाउस में राज्यपाल श्री रमेन डेका ने किया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि सक्षम एक अत्यंत महत्वपूर्ण जन-जागरूकता कार्यक्रम है, जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सभ्यता के विकास के साथ मानव को ऊर्जा के अनेक साधन प्राप्त हुए हैं, लेकिन इनके अत्यधिक उपयोग से प्रकृति और भावी पीढ़ियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त दोहन से नुकसान होता है, इसलिए सतत विकास के लिए प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। स्वच्छ हवा और स्वच्छ पानी हमारे मूलभूत अधिकार हैं। नदियों और पेड़ों को उनके प्राकृतिक स्वरूप में सुरक्षित रखना चाहिए।

राज्यपाल ने कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग और माइक्रो-प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि माइक्रो-प्लास्टिक का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है और यह अब गौ माता के दूध में भी पाया जा रहा है। प्रकृति को सबसे अधिक नुकसान मनुष्य स्वयं पहुंचा रहा है, इसलिए शिक्षा और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

श्री डेका ने कहा कि जागरूकता केवल बोलने से नहीं आती, बल्कि इसे हमारी दिनचर्या और आदतों का हिस्सा बनाना होगा। उन्होंने बिजली के दुरुपयोग को रोकने और हर स्तर पर ऊर्जा संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में पेट्रोल और डीजल के सीमित होने पर हमें ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इसके लिए ग्रीन एनर्जी और सोलर एनर्जी के उपयोग को बढ़ावा देना होगा। अत्यधिक पेट्रोल ,डीजल उपयोग से पर्यावरण भी प्रदूषित होता है, इसलिए संतुलन बनाना जरूरी है। राज्यपाल ने 'एक पेड़ मां के नाम' लगाने का आह्वान करते हुए जल संरक्षण पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल का अत्यधिक दोहन हो रहा है। बड़े किसानों को अपने खेतों में डबरी निर्माण करना चाहिए, जिससे सामूहिक लाभ हो सके। साथ ही पुराने तालाबों और डबरियों के पुनर्जीवन की आवश्यकता है।

जवाहर नगर मंडल ने देखा केंद्रीय बजट का सीधा प्रसारण

रायपुर। राजधानी के जोन-7, मंगलम भवन प्रांगण अग्रसेन चौक में जवाहर नगर मंडल के पदाधिकारियों ने नागरिकों के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए बजट का सीधा प्रसारण देखा और देश की आर्थिक दिशा पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर जवाहर नगर मंडल के मेडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि आज के बजट लाइव प्रसारण कार्यक्रम पर अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट समावेशी विकास को समर्पित है। इसमें समाज के हर वर्ग, विशेषकर अल्पसंख्यकों, युवाओं और मध्यम वर्ग के हितों का पूरा ध्यान रखा गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जवाहर नगर मंडल के अध्यक्ष संदीप जंघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह बजट देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ बजट की प्रमुख घोषणाओं पर विचार साझा किए।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित वार्ड पार्षद एवं जोन 7 अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा ने बजट की सराहना करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे और शहरी विकास के लिए किए गए प्रावधानों से स्थानीय स्तर पर भी प्रगति के नए द्वार खुलेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा जी,मंडल अध्यक्ष संदीप जंघेल,तात्यापारा वार्ड पार्षद एवं जोन 7 अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा जी,पार्षद अवतार सिंग,पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश पांडे जी,महामंत्री रमेश शर्मा,गीता रेड्डी, सूरज शर्मा,शंकर शर्मा, रिखी राम श्रीवास,प्रमोद विश्वकर्मा,मनोज विश्वकर्मा,प्रणीत जैन,कान्हा सिंह ठाकुर,विजय गुप्ता,कुशल गेंडेकर,पीलू कुलदीप,पूनम सोनी,प्रियंका साहू,एकता गुप्ता,नीलू तलमेल,सरोज गुरुगोसाई,के साथ वरिष्ठ पदाधिकारी, वार्ड के नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने बजट की जनहितकारी योजनाओं का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया।

राडा ऑटो एक्सपो में नई येज़दी रोडस्टर के अनावरण के लिए रायपुर के सांसद जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स के मंच पर पहुंचे

रायपुर: रायपुर में आयोजित राडा ऑटो एक्सपो के 9वें संस्करण में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स ने आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और रायपुर से लोकसभा सदस्य श्री बृजमोहन अग्रवाल का स्वागत किया। दोनों विशिष्ट अतिथियों ने संयुक्त रूप से कंपनी की बेस्टसेलर मोटरसाइकिल येज़दी रोडस्टर का मंच से अनावरण किया। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (RADA) द्वारा आयोजित यह ऑटो एक्सपो मध्य भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों में से एक है, जिसमें यात्री और वाणिज्यिक वाहन मूल उपकरण निर्माताओं (OEMs) और स्थानीय ऑटोमोबाइल डीलरों के 300 से अधिक स्टॉल शामिल हैं। आयोजन स्थल पर टेस्ट राइड और एक्सपीरियंस ज़ोन भी बनाए गए हैं, जिससे आगंतुक खरीद से पहले अपने सभी सवालों के जवाब प्राप्त कर सकें और सोच-समझकर निर्णय ले सकें। राडा ऑटो एक्सपो में जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स की मौजूदगी उसकी ब्लॉकबस्टर येज़दी रोडस्टर को प्रदर्शित करती है, जिसे प्रतिष्ठित 'बेस्ट 350सीसी मोटरसाइकिल' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। यह ऑटो एक्सपो मध्य भारत के मोटरसाइकिल प्रेमियों से जुड़ने का एक प्रभावी मंच प्रदान करता है, खासकर उन युवाओं के लिए जो एक प्रामाणिक, परफॉर्मेंस-आधारित नियो-क्लासिक मोटरसाइकिल खरीदने की इच्छा रखते हैं। यह आयोजन भारत के उभरते ऑटोमोटिव हब्स में अधिक से अधिक राइडर्स तक पहुंचने और उन्हें परफॉर्मेंस क्लासिक मोटरसाइक्लिंग की दुनिया से जोड़ने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। साथ ही, जावा येज़दी मोटरसाइकिल्स देशभर में अपने डीलरशिप नेटवर्क का विस्तार भी लगातार कर रही है।

एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़' कर रहा है वापसी, सीज़न 9 में पांच ख़ास सेलिब्रिटी होम टूर के साथ

रायपुर। साथ ही, 'एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़ लुकबुक' भी जारी की है, जो कस्टमर्स को अपने घरों के लिए कलर और डेकॉर आइडिया समझाने में मदद करेगी।

2 फरवरी, 2026: भारत की अग्रणी पेंट और डेकॉर कंपनी एशियन पेंट्स अपने लोकप्रिय होम डेकॉर और स्टोरीटेलिंग सीरीज़, 'एशियन पेंट्स व्हेयर द हार्ट इज़' के 9वें सीज़न के साथ वापसी कर रही है। इस सीज़न में भारत की मशहूर हस्तियों के पांच घरों को दिखाया जाएगा, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा-ज़हीर इकबाल, गौतम गंभीर, कीर्ति सुरेश-एंटनी थट्टिल, अर्चना पूरन सिंह-परमीत सेठी, और अमन व प्रिया गुप्ता शामिल हैं। हालांकि हर घर स्टाइल, बनावट और पर्सनैलिटी में अलग होता है, लेकिन हर घर में प्यार, सच्चाई और भावनात्मक लगाव ज़रूर देखने को मिलता है। दर्शक ऐसी जगहों में प्रवेश करते हैं जो ऊर्जा और अपनेपन से भरपूर है, जहां उनमें रहने वाले लोगों के जीवन की झलक मिलती है। अर्चना और परमीत दर्शकों को मढ़ में स्थित अपने एंग्लो-स्पेनिश स्टाइल से इंस्पायर्ड घर में आमंत्रित करते हैं। यह घर समय के साथ-साथ परिवार के अपनेपन, भावनाओं और यादों के साथ धीरे-धीरे विकसित हुआ है। कीर्ति और एंटनी का ऊर्जा से भरपूर कोच्चि अपार्टमेंट रंगों और भावनाओं के साथ उनके नैचुरल लगाव को दर्शाता है। सोनाक्षी और ज़हीर अपने पेंटहाउस 'सादा' के दरवाज़े जब खोलते हैं, तो एक ऐसा घर सामने होता है, जो कई तरह के भावों को समेटे हुए है। यहां जोशभरी बातें भी होती हैं और शांत, यादों से भरे कोने भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

फिज़िक्सवाला ने पूरे भारत में कक्षा 10 के सीबीएसई छात्रों के लिए मुफ्त डाउट हल करने में मदद और मॉक प्रीबोर्ड्स की घोषणा की

नईदिल्ली। शिक्षा कंपनी फिज़िक्सवाला(पीडब्ल्यू) ने कक्षा 10 के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में भाग लेने वाले छात्रों की मदद के लिए एक योजना शुरू की है। इसमें देश के सभी छात्र मुफ्त डाउट हल करने में विशेषज्ञों की मदद ले सकते हैं। यह योजना सिर्फ पीडब्ल्यू के छात्रों के लिए नहीं, बल्कि देश के किसी भी कक्षा 10 के छात्र के लिए खुली है। इसका उद्देश्य परीक्षा के समय पढ़ाई का तनाव कम करना है। पीडब्ल्यू देशभर में विज्ञान और गणित के लिए ऑफ़लाइन प्रीबोर्ड भी करवाएगा ताकि छात्रों की तैयारी मजबूत हो सके। ये परीक्षा पीडब्ल्यू के विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स में होंगी। इससे छात्रों को असल बोर्ड परीक्षा जैसा अनुभव मिलेगा और वे समय सीमा में परीक्षा की तैयारी बेहतर कर सकेंगे। फिज़िक्सवाला के विध्यापीठ-ऑफ़लाइन के सीईओ अंकित गुप्ता ने बताया कि, शिक्षा पर कोई सीमा नहीं होनी चाहिए, खासकर जब छात्र बोर्ड परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण तैयारी कर रहे हों। कई छात्रों को तुरंत अच्छी मदद नहीं मिलती और एक छोटा डाउट भी उन्हें तनाव दे सकता है। इसलिए हमने अपने विध्यापीठ, पाठशाला और ट्यूशन सेंटर्स सभी छात्रों के लिए खोल दिए हैं, चाहे वे फिज़िक्सवाला के छात्र हों या नहीं। हम चाहते हैं कि छात्र खुद को सहारा मिला हुआ, आत्मविश्वासी और पूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने के लिए तैयार महसूस करें। भारत के सभी छात्र अपने पास के फिज़िक्सवाला विध्यापीठ, पाठशाला या ट्यूशन सेंटर जा सकते हैं और एक डाउट बस्टर पास ले सकते हैं, जो बोर्ड परीक्षा तक वैध रहेगा। इस पास के साथ छात्र जो भी उनके डाउट्स हों उनके हल के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। अनुभवी शिक्षक छात्रों के सवालों का जवाब देंगे, मुश्किल टॉपिक समझाएंगे और उत्तर लिखने की रणनीति भी बताएंगे। छात्र भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सभी विषयों की शंकाओं को हल कर सकते हैं और सीबीएसई कक्षा 10 के लिए रिविजन कार्ड भी प्राप्त कर सकते हैं, जो उनकी तैयारी में मदद करेगा। छात्र अपने नज़दीकी सेंटर में 1 फरवरी 2026 को होने वाली विज्ञान परीक्षा और 8 फरवरी 2026 को होने वाली गणित परीक्षा के लिए पीडब्ल्यू ऐप के जरिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। यह योजना फिज़िक्सवाला के कुल 192 टेक्नोलॉजी वाले विध्यापीठ और पाठशाला सेंटर के जरिए शुरू की जा रही है, जो 30 सितंबर 2025 तक भारत के 132 शहरों में उपलब्ध रहेगी।

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया नया साउंड टावर - दमदार साउंड, कस्टमाइज्ड लाइटिंग और लंबे प्ले टाइम के साथ पोर्टेबल डिजाइन

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग इंडिया ने अपना नया साउंड टावर 2026 लाइनअप लॉन्च किया है। यह दमदार साउंड, बेहतर पोर्टेबिलिटी और शानदार एंटरटेनमेंट फीचर्स के साथ भारतीय ग्राहकों के लिए खास अनुभव लाता है। यह लाइट और साउंड के जरिए पार्टी का पूरा मज़ा देता है।

नई रेंज में ST50F और ST40F मॉडल शामिल हैं, जिन्हें रूम-फिलिंग साउंड और डायनामिक विज़ुअल इफेक्ट्स के लिए अपग्रेडेड एकॉस्टिक आर्किटेक्चर के साथ डिजाइन किया गया है। विप्लेश डांग, सीनियर डायरेक्टर और हेड - विज़ुअल डिस्प्ले बिज़नेस, सैमसंग इंडिया ने कहा,नई साउंड टावर सीरीज सैमसंग की आधुनिक एंटरटेनमेंट को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसमें जबर्दस्त साउंड, डायनैमिक लाइटिंग और वर्सेटाइल पोर्टेबिलिटी को एक साथ जोड़ा गया है। जैसे-जैसे उपभोक्ता ऐसे ऑडियो सॉल्यूशंस की तलाश कर रहे हैं जो इनडोर और आउटडोर दोनों जगह आसानी से काम कर सकें, साउंड टावर हर मौके के लिए सही साथी बनकर उभरता है। लंबी बैटरी लाइफ, बेहतर साउंडस्टेज और कस्टमाइज़ करने योग्य पार्टी लाइट्स+ के साथ यह यूज़र्स को कहीं भी यादगार पल बनाने का मौका देता है।

सैमसंग इंडिया ने बीस्पोक एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर्स के साथ एआई-पावर्ड कूलिंग के भविष्य की दिखाई झलक

गुरुग्राम: भारत के अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपनी आगामी कूलिंग इनोवेशन्स की एक झलक पेश की। इसे आधुनिक घरों में आराम, इंटेलिजेंस और ऊर्जा दक्षता को नए सिरे से परिभाषित करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। द फ्यूचर ऑफएआई एसी इज़ कमिंग (आ रहा है एआई एसी का भविष्य) के संदेश के साथ सैमसंग ने यह संकेत दिया है कि आने वाली एयर कंडीशनिंग तकनीक पारंपरिक कूलिंग से आगे बढ़कर स्मार्ट और अधिक उन्नत अनुभव देगी। टीज़र में बीस्पोक एआई विंडफ्रीज़ एयर कंडीशनर लाइनअप को प्रमुखता से दिखाया गया है, जो उन्नत एआई तकनीक, प्रीमियम डिज़ाइन और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर घरेलू कूलिंग अनुभव प्रदान करेगा। इस रेंज में विंडफ्री™ कूलिंग, एआई फास्ट एंड विंडफ्री™ कूलिंग+, एआई एनर्जी मोड, प्रीवेंटिव मेंटेनेंस और स्मार्टथिंग्स इंटीग्रेशन जैसे फीचर्स शामिल होंगे। ये सुविधाएं बेहतर प्रदर्शन, ऊर्जा प्रबंधन और सहज नियंत्रण सुनिश्चित करेंगी, जिससे उपभोक्ताओं को स्मार्ट और किफायती कूलिंग का लाभ मिलेगा।

सैमसंग ने पेश किया गैलेक्सी A07 5G: फोटोग्राफी और दमदार बैटरी का पावरहाउस

गुरुग्राम: भारत का अग्रणी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, फरवरी के पहले सप्ताह में अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी A07 5G लॉन्च करने जा रहा है। ए-सीरीज का यह नया फोन खास तौर पर भारत की डिजिटल पीढ़ी के लिए बनाया गया है। यह उन यूजर्स के लिए बेस्ट है जो किफायती दाम में ऑनलाइन एंटरटेनमेंट, सोशल मीडिया स्टोरीटेलिंग और पूरे दिन चलने वाली बैटरी चाहते हैं।

गैलेक्सी A07 5G में आइकॉनिक ट्रैक कैमरा डेको के साथ हाई-रिजॉल्यूशन ड्यूल कैमरा सेटअप है। इसमें शानदार तस्वीरों के लिए 50MP का ऑटोफोकस मुख्य कैमरा और बेहतरीन डेप्थ के लिए 2MP का कैमरा दिया गया है।

मुख्य कैमरे का F1.8 अपर्चर, डेप्थ कैमरे के साथ मिलकर बेहतरीन बोके इफेक्ट देता है। इससे बैकग्राउंड खूबसूरती से ब्लर हो जाता है और सब्जेक्ट साफ नजर आता है। इसका वाइड-एंगल सेटअप सनसेट और स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन है। साथ ही, 8MP का फ्रंट कैमरा कम शोर के साथ साफ सेल्फी और वीडियो सुनिश्चित करता है।

यूजर्स को फोटो देखने और कंटेंट शेयर करने का बेहतरीन अनुभव देने के लिए इसमें 6.7-इंच की HD+ डिस्प्ले दी गई है।

संपादकीय

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।' स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल- मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है। बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

सामान्य वर्ग का गुस्सा,एकजुट होने के संकेत भी है

सुनील दास

किसी समाज की ताकत का पता उसकी संख्या से तो लगता ही है, अपने अहित में उठाए गए सरकार या किसी संस्था के खिलाफ सामने आए उसके गुस्से से भी पता चलता है कि समाज अपने हित व अहित को लेकर कितना एकजुट है,कितना जागरूक है। इससे देश के सभी राजनीतिक दलों,अन्य संगठनों व संस्थाओं को भी इस बात का पता चलता है कि समाज की ताकत क्या है और वह क्या कर सकता है। सभी राजनीतिक दलों,संस्थाओं,संगठनों को उनका गुस्सा संदेश होता है कि हमारी उपेक्षा की या हमारे खिलाफ किसी ने भी कुछ किया तो वह नुकसान में रहेगा। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सामान्य वर्ग या हिंदू समाज ने देश मे जिस तरह से अपने गुस्सा जाहिर किया उससे यह तो साफ हो गया है कि 2014 के बाद हिंदू समाज अपनी एकजुटता को लेकर जागरूक है तथा उसके खिलाफ उठाए गए किसी भी कदम का वह कड़ा विरोध करता है। अब तक देश में कांग्रेस व वामपंथियों का एक इकोसिस्टम हुआ करता था और वह भाजपा व हिंदू संगठनों के खिलाफ निरंतर एक अभियान चलाया करता था कि यह लोग जो कुछ सोचते है, गलत सोचते हैं, जो कुछ करते हैं गलत करते हैं। यह लोग देश की एकता,समरसता के खिलाफ है। यह लोग सांप्रदायिक है,यह लोग समाज को बांटने वाले हैं, यह लोग समाज में नफरत फैलाने वाले हैं।यह लोग लोग मुसलमान-दलित विरोधी हैं। यह लोग सत्ता में आएंगे तो देश की एकता अखंडता खतरे मे आ जाएगी,देश में अमन चैन नहीं रहेगा। यह इकोसिस्टम रोज-रोज यही दोहराता था और लोगों के लगता था कि यह लोग तो बुध्दिजीवी हैं, यह तो शिक्षित तबका है, यह झूठ कैसे कह सकता है, यह जो कह रहा है सच कह रहा है। देश के लोग इनकी बातों पर भरोसा भी करते थे यही वजह है कि जिनका इकोसिस्टम था है वह कई दशकों तक सत्ता में रहे। इस इकोसिस्ट्म का कई दशकों तक एकाधिकार था, इसकी बातों का कोई जबाब देने वाला नहीं था, यह लोग जो कहते थे उसे अंतिम सत्य मान लिया जाता था। यही वजह है कि इस इकोसिस्टम को बनाने वालों की सत्ता को कई दशक तक कोई चुनौती देने वाला नहीं था, यह एक तिलस्म खड़ा करने में सफल रहे थे कि उनको ही शासन करना आता था,कोई दूसरा या बहुत सारे दल मिलकर कभी सत्ता पर आ जाते थे कि यही इकोसिस्टम यह प्रचार करता था कि यह शासन चलाने योग्य नहीं है यह शासन नहीं चला सकते और साजिश करके मिली जुली सरकार गिरा दी जाती थी और फिर प्रचार किया जाता था कि देखो हम न कहते थे कि इनको शासन करना नहीं आता है।सरकार चलाना नहीं आता है। कई दशकों तक इकोसिस्टम चलाने वाले जानते थे कि बहुसंख्यक हिंदू समाज एकजुट रहा तो उनकी सत्ता को खतरा होगा, इसलिए हिंदू समाज के एससी,एसटी, पिछड़ा वर्ग व सामान्य में बांट दिया था और उनको एक दूसरे के खिलाफ लड़ाकर उनको एक नहीं होने दिया। यह इकोसिस्टम हिंदू समाज के खिलाफ था और बंटे हुए हिंदू समाज का अपना कोई इकोसिस्टम नही था इसलिए वह इनका मुकाबला करने में कमजोर पड़ता था। 2014 में हिंदू समाज को मोदी के आने के बाद लगा कि अब उनको एकजुट करने वाला आ गया है,अब उनको एकजुट होना चाहिए और सत्ता पर उनका ही अधिकार होना चाहिए। मोदी सरकार आने के बाद हिंदू समाज के जिस इकोसिस्टम की जरूरत थी आज दस साल में खुशी की बात है कि वह इकोसिस्टम बन गया है और इसका लाभ भी हिंदू समाज को मिल रहा है। इस इकोसिस्टम के बनने से हिंदू समाज पहले ज्यादा शक्तिशाली हुआ है और अपना विरोध पहले से व्यापक तोर पर दर्ज भी करा रहा है।यह खुलकर कहने लगा है कि यह हमारे खिलाफ है।

विकसित भारत की उड़ान: बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

ललित गर्ग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज़ गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है। चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दर्शाता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है।

विकास की दृष्टि से यह बजट 'इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन' का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है।

ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वत: मजबूत होगा।

नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दर्शाते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है।

युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है, बशर्ते वह दीर्घकालिक विकास को बाधित न करे। इस बजट में दीर्घकालिक दृष्टि और तात्कालिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन दिखाई देता है। समीक्षात्मक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी बजट की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। संसाधनों की उपलब्धता, राज्यों के साथ समन्वय और पारदर्शी प्रशासन इस बजट की वास्तविक परीक्षा होंगे। फिर भी, तुलनात्मक दृष्टि से यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट भारत के विकास की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह वर्तमान की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए रास्ता तैयार करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, ग्रामीण विकास, नारी शक्ति और युवाओं को केंद्र में रखकर यह बजट 'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक सशक्त कदम है। यदि इसे निरंतर सुधार, जवाबदेही और समावेशी क्रियान्वयन का साथ मिला, तो यह बजट इतिहास में केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव के रूप में याद किया जाएगा।

बिना रुकावट के शासन: बुनियादी ढांचे के लिए भारत की संस्थागत संरचना

अरिहन्त कुमार

आज़ादी के बाद से, बुनियादी ढांचे ने भारत की प्रगति की सोच को आकार दिया है। कल्पना साफ़ थी: रेलवे दूर-दराज के इलाकों को जोड़ेगी, राजमार्ग राज्यों के बीच व्यापार करेंगे, बांध ऊर्जा और सिंचाई का आधार बनेंगे, और बिजली की लाइनें सबसे दूर के गांवों तक रोशनी पहुंचाएंगी। जैसे-जैसे प्रोजेक्ट बड़े होते गए, वे और भी उलझते गए। ज़मीन मंजूरी का इंतज़ार करती रही, मंजूरी डिज़ाइनों का इंतज़ार करती रहीं, डिज़ाइन उपयोग बदलने का इंतज़ार करते रहे, और इसके लाभ दूसरे कार्यालय, दूसरे अधिकार क्षेत्र, दूसरी फ़ाइल में दबी मंजूरियों का इंतज़ार करती रहीं। हर देरी का एक कारण था, हर कारण का कोई जिम्मेदार था, और फिर भी कोई भी असल में नतीजे की ज़िम्मेदारी नहीं लेता था। सालों तक, अनेक परियोजनाएं टुकड़ों-टुकड़ों में चलती रही, जिनकी समीक्षा अलग-अलग की गई, बाद में सफाई दी गई, और हमेशा के लिए देरी होती रही। जब तरक्की रुकी, तो ज़िम्मेदारी प्रक्रिया में घुल गई। हर जगह हलचल थी, लेकिन कहीं भी गति नहीं थी।

जिस चीज़ की कमी थी, वह इरादा या निवेश नहीं था, बल्कि एक ऐसा फोरम था जहाँ आपस में जुड़ी हुई रुकावटों को एक साथ देखा जा सके, एक साथ सुलझाया जा सके और उन्हें खत्म किया जा सके। प्रोजेक्ट गवर्नेंस में इसी शांत लेकिन महत्वपूर्ण कमी को प्रगति के नेतृत्व वाले इकोसिस्टम ने भरने का बीड़ा उठाया।

प्रगति, समीक्षा की एक नई परत के रूप में नहीं आई, बल्कि एक ऐसे जंक्शन के रूप में आई जहाँ समानांतर ट्रैक आखिरकार मिले। इसकी कल्पना 2015 में की गई, यह देखने में एक आसान सा विचार था: कि निगरानी से फैसले होने चाहिए, और फैसलों का नतीजा डिलीवरी होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में, यह केन्द्रीय सचिवों और राज्य के मुख्य सचिवों को एक साथ लाया, और उन लोगों को एक साथ जोड़ा जिनके पास राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं और उनकी रुकावटों के बारे में एक ही, साझा नज़रिए के साथ काम करने की शक्ति थी। उस कमरे में, देरी अब भाषा के पीछे छिप नहीं सकती थी। विशेष उपलब्धियों की जांच की गई, मुद्दों को सामने लाया गया, और सीधे सवाल पूछे गए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज़िम्मेदारी का एक नाम, एक निर्धारित समय और वापस आने की तारीख तय की गई। फिर भी, प्रगति की असली कहानी सिर्फ़ इन उच्चस्तरीय समीक्षाओं के दौरान सामने नहीं आती। यह उस शांत, लगातार चल रहे काम में ज़िंदा रहती है जो इनसे पहले और बाद में होता है। यह तैयारी का अनुशासन, संस्थागत स्मृति और फॉलो-थ्रू प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप (पीएमजी) द्वारा प्रदान किया जाता है, जो इस ईकोसिस्टम परिचालन की रीढ़ है।

मैंने पीएमजी को उस तरह से बढ़ते देखा है जैसे संस्थाएं शायद ही कभी बढ़ती हैं, धैर्य और उद्देश्य के साथ। जो एक साधारण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में शुरू हुआ था, वह एक परिपक्व, टेक्नोलॉजी-संचालित, उपलब्धियों पर आधारित निगरानी प्लेटफ़ॉर्म में विकसित हो गया है जिसने भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर नजर रखने और समाधान का तरीका बदल दिया है। इस वास्तुकला के भीतर, पीएमजी समेकन और विश्लेषण के पहले बिंदु के रूप में कार्य करता है, जो प्रहरी और संचारक दोनों के रूप में काम करता है। टीम परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रखती है, ज़मीनी हकीकत सुनती है, दावों को प्रमाणित करती है, और जटिल इनपुट को प्रगति के तहत उच्च-स्तरीय समीक्षाओं के लिए संरचित जानकारियों में बदलती है। जो जानकारी पहले फ़ाइलों, पत्राचार और समय-समय पर होने वाली समीक्षाओं में बिखरी रहती थी, वह अब एक ही डिजिटल सिस्टम में समेकित हो गई है, जिसमें प्रगति, लागत, समय-सीमा, उपलब्धि और ज़मीन से मिली तस्वीरों के सबूतों पर वास्तविक समय के आंकड़े शामिल है। आज, कैबिनेट द्वारा स्वीकृत प्रोजेक्ट मंजूरी के कुछ ही दिनों के भीतर सिस्टम में आ जाते हैं, उनकी यात्रा लगातार डेटा प्रवाह के माध्यम से मैप की जाती है जिससे पिछली रिपोर्टिंग के बजाय मौजूदा वास्तविकताओं के आधार पर निर्णय लिए जाते हैं। इस प्लेटफॉर्म की सबसे खास बात इसकी ढांचागत परियोजना और इश्यू ट्रैकिंग फ्रेमवर्क है। कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटें अब चिट्ठियों या अटैचमेंट में छिपी नहीं रहतीं; उन्हें औपचारिक तौर पर लॉग किया जाता है, टाइम-स्टैम्प किया जाता है, और संबंधित साझेदार को समाधान के लिए तय टाइमलाइन के साथ साफ तौर पर जिम्मेदारी सौंपी जाती है। इसमें शुरू से ही पारदर्शिता शामिल है। केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, जिला प्रशासन और परियोजना चलाने वाले सभी एक ही जानकारी एक साथ देखते हैं, टिप्पणियां दे सकते हैं, अपडेट अपलोड कर सकते हैं और काम पूरा होने तक प्रगति पर निगरानी रख कर सकते हैं।

यह साझा विजिबिलिटी जवाबदेही को पूरी तरह से बदल देती है। रोल-बेस्ड डैशबोर्ड पर्सनलाइज्ड व्यू देते हैं, जिससे सीनियर लीडरशिप से लेकर जिला प्रशासन तक के अधिकारी यह देख पाते हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में किस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है। ऑटोमेटेड अलर्ट, रिमाइंडर और कम्प्लायंस ट्रैकिंग यह पक्का करते हैं कि मुद्दे समय के साथ खत्म न हों, बल्कि समाधान होने तक बार-बार सामने आते रहें। मीटिंग के एजेंडा, मिनट्स और समीक्षा दस्तावेज सीधे डेटा से जेनरेट होते हैं, जिससे रूटीन रिपोर्टिंग का काम कम होता है और फैसले लेने पर फोकस बढ़ता है।

नतीजतन, ज़्यादातर मुद्दे इस टेक्नोलॉजी-सक्षम समन्वय के ज़रिए चुपचाप हल हो जाते हैं, जबकि ज़्यादा जटिल, अंतर-मंत्रालयी रुकावटों को एक कैलिब्रेटेड फ्रेमवर्क के ज़रिए टॉप प्लेटफॉर्म तक पहुंचाया जाता है। यह वृद्धि नाटकीय नहीं होती; यह सोच समझकर की जाती है। इस तरह, पीएमजी को केंद्र में रखकर बनाया गया यह प्रगति इकोसिस्टम, टेक्नोलॉजी और गवर्नेंस को जोड़ता है, डेटा को फैसलों में और फैसलों को डिलीवरी में बदलता है। इस सिस्टम में, काम पूरा होना सिर्फ एक उम्मीद नहीं है, बल्कि एक अपेक्षा है।

मैंने देखा है कि मंत्रालयों और राज्यों में व्यवहार कैसे बदला है। जब हर कोई एक ही सच देखता है, तो बिखराव असहज हो जाता है। जब किसी व्यवस्था में सीधे प्रधानमंत्री की देखरेख में देरी को उजागर किया जाता है, उसका नाम लिया जाता है और उस पर दोबारा विचार किया जाता है, तो देरी करना मुश्किल हो जाता है। जो परियोजनाएं सालों से अटकी पड़ी थी - एयरपोर्ट, रेल लाइनें, हाईवे, पावर कॉरिडोर - वे चलने लगे, इसलिए नहीं कि उनकी प्रकृति बदल गई, बल्कि इसलिए कि उनके आसपास की धुंध छंट गई।

आज, 85 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की तीन हज़ार से ज़्यादा परियोजनाएं इस इकोसिस्टम से गुज़र रही हैं। मुद्दे उठते हैं, सुलझते हैं और एक तय संस्थागत लय के साथ खत्म होते हैं। यह गवर्नेंस का नाटक नहीं है; यह उसका अनुशासन है। नागरिकों के लिए, इसका असर अमूर्त नहीं है। यह उस पुल में महसूस होता है जो आखिरकार खुलता है, उस ट्रेन में जो समय पर चलती है, उस एयरपोर्ट में जो अब सिर्फ़ घोषणाओं में मौजूद नहीं है। हर पूरा होने वाला काम चुपचाप इस विश्वास को बहाल करता है कि सरकार समय का पालन करे, जिससे जनता का पैसा जनता के काम आ सके। जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है, पूंजी मायने रखेगी, महत्वाकांक्षा मायने रखेगी, लेकिन डिलीवरी सबसे ज़्यादा मायने रखेगी और डिलीवरी महत्वपूर्ण बाधाओं को दूर करने या कभी-कभार के हस्तक्षेप पर निर्भर नहीं रह सकती। यह सिस्टम में शामिल, नियमित और मज़बूत होनी चाहिए। यही प्रगति इकोसिस्टम की मौन उपलब्धि है। इसने गवर्नेंस को वह दिया है जिसकी उसे लंबे समय से कमी थी: समय का प्रबंधन करने का एक तरीका।

प्रगति-50 : शासन को इरादा नहीं,डिलिवरी परिभाषित करती है

टी.के. रामचंद्रन

सरकार के दो परिवर्तनकारी कदमों—पीएम गति शक्ति और प्रगति—का विशाल परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें कार्यान्वित करने और उनकी निगरानी करने पर गहरा असर पड़ा है। इस लेख में हम बाद वाले कदम के बारे में चर्चा कर रहे हैं।

प्रगति (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) प्रारूप के तहत आयोजित 50वीं उच्च-स्तरीय समीक्षा दर्शाती है कि शासन के प्रति भारत सरकार के रुख और उसे संचालित करने के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। यह बदलाव नीयत से डिलिवरी की ओर, प्रक्रियागत अनुपालन से परिणामों की ओर तथा बिखरी हुई सत्ता से समन्वित एवं समयबद्ध कार्यान्वयन की ओर संकेत करता है। इस प्रकार प्रगति केवल एक प्रशासनिक नवाचार भर नहीं है; बल्कि यह शासन की संरचना की सोच-विचार कर की गई पुनर्रचना का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब शासन के अन्य मॉडल विफल रहे, तब यह मॉडल परिणाम देने में कैसे सफल हुआ?

प्रगति की आवश्यकता- सार्वजनिक परियोजनाओं में देरी होना लगभग आम बात रही है। फिर भी, शायद ही कभी इस देरी कारण नीति में स्पष्ट जानकारी या वित्तीय मंजूरी का अभाव रहा। शासन प्रणालियों का बिखराव इस देरी का कारण रहा है। मंत्रालय ऊपरी से निचले स्तर तक या वर्टिकली कार्य करते हैं; राज्य और केंद्र क्रमिक रूप से काम करते हैं; और विवाद निपटाने के अधिकार-संपन्न मंच न होने के कारण, विवाद लंबित पड़े रहते हैं। गतिविधियाँ बढ़ने के बावजूद जवाबदेही कमज़ोर होती जाती है। मुख्य समस्या कमज़ोर तालमेल और साइलो-बेस्ड समीक्षा तंत्र रही हैं।

इसके परिणामस्वरूप, परियोजना की डिलिवरी का व्यापक उद्देश्य अक्सर कहीं खो जाता है। कई परियोजनाएँ जमीनी विवाद, पर्यावरण या वन मंजूरी, नियामक अनुमोदन, संविदा से जुड़े विवादों या राज्यों के बीच तालमेल संबंधी चुनौतियों के कारण वर्षों तक अटकी रहीं। एक बहु-मंत्रालयीय और बहु-राज्यीय राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ प्रत्येक संस्था अपने अधिकार क्षेत्र पर प्रभुत्व जमाए हुए होती है, किसी के लिए भी दूसरे को राजी करना कठिन हो जाता है।

जब परियोजना की पूर्ति में कई राज्यों और मंत्रालयों को योगदान देना होता है, तो बैठकें करने, चर्चा करने, फील्ड दौरे करने, समितियाँ बनाने और अंतहीन पत्राचार करने की पुरानी प्रक्रिया बेअसर साबित होती है। यह एक ऐसा तरीका था, जिसमें चर्चा को निर्णय, गतिविधि को काम, गति को प्रगति और केवल नीयत को उपलब्धि समझ लिया जाता था।

प्रगति का आगमन - प्रगति निर्णय लेने, समन्वय करने और लागू करने के तरीके को नए तरीके से डिजाइन कर लगातार बनी रहने वाली इन संरचनात्मक कमियों को दूर करता है। प्रणालीगत समन्वयक के रूप में काम करते हुए यह मंत्रालयों, राज्यों और जिलों के निर्णयकर्ताओं को एक ही संस्थागत और डिजिटल मंच पर लाता है। यह फ़ाइलों के आदान-प्रदान, क्षेत्राधिकार की अस्पष्टता और विभागीय पत्राचार के कारण होने वाली देरी को समाप्त करता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कार्यान्वयन का विस्तृत दृष्टिकोण बहाल करता है, जिससे नेतृत्व फ़ाइलों की लंबित स्थिति के बजाय प्रणाली से संबंधित रुकावटों की पहचान कर सकता है।

प्रगति के तहत होने वाली समीक्षा की अध्यक्षता करने में माननीय प्रधानमंत्री की भूमिका इसकी सफलता के लिए बहुत जरूरी है। उनका सीधा जुड़ाव इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि डिलिवरी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और कार्यान्वयन की विफलताओं पर सर्वोच्च स्तर पर ध्यान दिया जाएगा। यह निर्णायक कार्रवाई को सुगम बनाता है और समीक्षा को परिणामों के लिए एक बाध्यकारी ढांचे में बदल देता है। इन समीक्षाओं के दौरान लिए गए निर्णय अंतिम, समयबद्ध और डिजिटल रूप से रिकॉर्ड किए जाते हैं, जिससे जवाबदेही स्पष्ट और लागू करने योग्य होती है।

प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करती है। रीयल-टाइम डेटा, जियो-स्पैशियल विज़ुअलाइज़ेशन और क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ सीधे संवाद हितधारकों के बीच जानकारी की असमानता समाप्त करते हैं और निर्णयों को साक्ष्यों के आधार पर लिया जाना सुनिश्चित करते हैं।

दांतों के बीच का गैप शुभ है या अशुभ ?

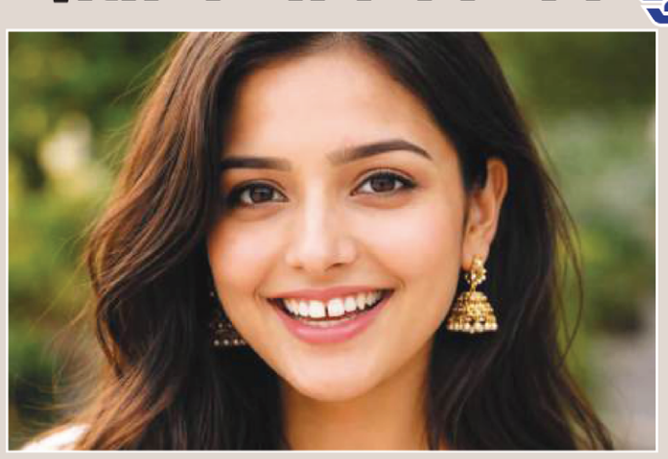

सामुद्रिक शास्त्र कहता है कि शरीर पर मौजूद छोटा सा तिल या कोई भी निशान कुछ न कुछ संकेत देता है। भारतीय ज्योतिष और सामुद्रिक शास्त्र में शरीर के विशेष अंगों और लक्षणों का संबंध भाग्य से जोड़ा गया है। सामुद्रिक शास्त्र में कहा गया है कि शरीर का छोटा सा तिल या निशान व्यक्ति के स्वभाव के गहरे राज खोल देता है। ऐसे में आज हम सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार जानेंगे कि वो लोग कैसे होते हैं, जिनके दांतों में गैप होता है। इनकी क्या विशेषता होती है? साथ ही जानेंगे कि दातों में गैप होना शुभ माना जाता है या अशुभ।

दांतों में गैप होना होता है शुभ

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, दांतों में गैप होना शुभ संकेत माना जाता है। ऐसे लोग जिस भी क्षेत्र में करियर बनाने के लिए मेहनत करते हैं, उसमें सफलता प्राप्त करते हैं। ये लोग परेशानियों से घबराते नहीं हैं, बल्कि खुलकर हर हालात का सामना करते हैं। अक्सर देखा जाता है कि जिन लोगों के दांतों में गैप होता है वो खुले विचारों के होते हैं। ये किसी की गुलामी या चापलूसी करना पसंद नहीं करते।

बहुत मिलनसार होता है स्वभाव

ये लंबे समय तक नौकरी न करके कारोबार पर जोर देते हैं। इसके अलावा इन लोगों का दिमाग क्रिएटिव होता है। सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक, जिन लोगों के दांतों में गैप होता है, आमतौर पर वो बहुत मिलनसार स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग अपने संबंधों को जोड़ने का हर प्रयास करते हैं। ये अपने परिवार से सच्चा प्यार करते हैं और हर रिश्ता ईमानदारी से निभाते हैं। ऐसे लोगों की शादीशुदा जिंदगी भी अच्छी चलती है। ऐसे लोग अलग-अलग तरह के खाने का शौक रखते हैं। इनसे भूख बर्दाश्त नहीं हो पाती। ये हर तरह का भोजन करना पसंद करते हैं। ये ज्यादातर समय खाने के बारे में ही सोचते हैं।

घर में कहां रखनी चाहिए तिजोरी ?

जानें वास्तु से जुड़े नियम

वास्तु शास्त्र के मुताबिक यदि चीजें घर सही दिशा में और सही तरीके से रखी या फिर बनी हों तो सुख-समृद्धि बनी रहती है। यदि चीजें वास्तु के मुताबिक ना हो तो व्यक्ति को तमाम तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक चीज है तिजोरी। चलिए जानते हैं तिजोरी को घर में कहां और कैसे रखना चाहिए।

कुबेर की दिशा

वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना गया है। ऐसे में हमेशा घर की उत्तर दिशा में धन स्थान बनाना चाहिए क्योंकि इस दिशा में बनी तिजोरी या लाकर हमेशा पैसों से भरा रहता है।

तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का रखें ध्यान

वास्तु के अनुसार, तिजोरी के कमरे का दरवाजा पूर्व या उत्तर दिशा में होना शुभ होता है। ध्यान रखना चाहिए कि उत्तर दिशा में दरवाजे के सामने तिजोरी नहीं रखनी चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी का भी ध्यान रखना चाहिए। तिजोरी वाले कमरे में रोशनी के लिए पूर्व या उत्तर दिशा में एक छोटी खिड़की लगाना शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से धन लाभ होता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

ध्यान रखें ये बातें

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस कमरे में धन स्थान बनाना हो वहां पर आने-जाने के लिए सिर्फ एक दरवाजा होना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार अधिक दरवाजे और खिड़की वाला धन स्थान अच्छा नहीं माना जाता है।

इस दिशा में ना रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार कभी भूलकर भी धन स्थान या फिर कहें तिजोरी को दक्षिण दिशा में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह यम की दिशा होती है और इस दिशा में बना धन स्थान अक्सर आर्थिक दिक्कतों का कारण बनता है।

गंदगी ना रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार तिजोरी या लॉकर के आस-पास या फिर उसके भीतर कभी भी गंदगी नहीं होनी चाहिए। वास्तु के अनुसार धन की देवी को प्रसन्न रखने के लिए कभी भी तिजोरी को गंदे हाथों या अपवित्र अवस्था में नहीं छूना चाहिए।

लहसुन का सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद

लहसुन को रसोई में सिर्फ स्वाद बढ़ाने वाले मसाले के रूप में ही नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक औषधि के रूप में भी जाना जाता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इसके स्वास्थ्यवर्धक गुणों को मान्यता देते हैं। खासतौर पर खाली पेट लहसुन का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। सुबह उठते ही एक गिलास गुनगुना पानी लेकर 1-2 कच्ची लहसुन की कलियां चबाना स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। यदि लहसुन की तीव्र गंध से परेशानी हो, तो इसे छोटे टुकड़ों में काटकर पानी के साथ निगल सकते हैं। कच्चा लहसुन खाने से इसके एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और अन्य पोषक तत्व पूरी तरह से शरीर में जाते हैं, जबकि पकाने पर इनकी मात्रा कम हो जाती है। लगातार कुछ दिनों तक नियमित सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, दिल और रक्त प्रवाह की सेहत सुधरती है और कई तरह के रोगों से बचाव होता है।

1. इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है
लहसुन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। नियमित सेवन से सर्दी, जुकाम और अन्य संक्रमणों से बचाव में मदद मिलती है।

2. वजन घटाने में मददगार
लहसुन मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर में जमा अतिरिक्त वसा को कम करने में सहायक होता है। खाली पेट इसका सेवन करने से भूख भी नियंत्रित रहती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

3. सूजन और दर्द को कम करता है
लहसुन में एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन और दर्द को घटाने में मदद करते हैं। यह जोड़ों के दर्द और गठिया में भी फायदेमंद है।

4. हड्डियों को मजबूत बनाता है
लहसुन में मौजूद पोषक तत्व हड्डियों को मजबूत रखते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं से बचा सकते हैं। इसलिए खाली पेट इसका सेवन लाभकारी हो सकता है।

5. दिल की सेहत में सुधार
लहसुन कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। ये धमनियों को साफ रखता है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है।

6. पेट की समस्याओं को कम करता है
लहसुन पाचन तंत्र को मजबूत करता है और गैस, एसिडिटी, कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह पेट के संक्रमण से भी बचाव करता है।

ठंड के मौसम में कैसे लगाएं बालों में मेंहदी?

सफेद बाल किसी को नहीं पसंद। इसलिए इन्हें रंगने के लिए लोग हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं। अब हर कोई केमिकल वाली डाई लगाना पसंद नहीं करता तो सबसे सेफ ऑप्शन है मेंहदी। ये बालों को नेचुरली कलर भी देती है और पोषण भी। हालांकि ठंड के मौसम में मेंहदी लगाना थोड़ा मुश्किल होता है। क्योंकि इसकी तासीर ठंडी होती है जिस वजह से सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है। अब ऐसे में सफेद बालों को हाइड करने के लिए क्या किया जाए, ये समझ नहीं आता। तो चलिए आज जानते हैं कि ठंड के मौसम में मेंहदी को सुरक्षित तरीके से कैसे लगाया जाए। साथ ही जानेंगे कि इसे कितनी देर तक बालों में रखना काफी होता है।

● **मेंहदी में तिल का तेल मिलाकर लगाएं :-** सर्दियों के मौसम में तिल का तेल आपके बालों और स्किन के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए सर्दियों में ये लगाना बेस्ट है। मेंहदी का पेस्ट बनाते हुए भी आप तिल के तेल को मिला सकती हैं। इससे सर्दी भी नहीं लगेगी साथ में ये बालों को पोषण और चमक देने का भी काम करेगा।

● **धूप का लें पूरा फायदा :-** सर्दियों के मौसम में मेंहदी लगा रहे हैं, तो धूप का पूरा फायदा उठाएं। जिस दिन तेज धूप हो कोशिश करें कि मेंहदी भी उसी दिन अप्लाई करें। धूप में बैठकर मेंहदी लगाएं और हो सके तो कुछ देर धूप में ही इसे हल्का सुखा भी लें। ऐसा करने से आप खुद को सर्दी लगने से बचा सकते हैं।

● **ये चीजें मिलाकर पेस्ट बनाएं :-** मेंहदी की ठंडी तासीर को बैलेंस करने के लिए पेस्ट बनाते हुए लौंग के पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए 4-5 लौंग एक गिलास में डालकर पका लें, फिर इससे मेंहदी का पेस्ट बनाएं। इसके अलावा आप मेंहदी में आंवले का पाउडर या मेथी का पाउडर भी एड कर सकते हैं। इससे मेंहदी का रंग जल्दी आता है और सर्दियों में ज्यादा देर मेंहदी नहीं रखनी पड़ती।

हीटर और ड्रायर का इस्तेमाल करें :- मेंहदी का पेस्ट काफी ठंडा लगता है। ऐसे में आप इसे अप्लाई करने से पहले हीटर के आगे कुछ देर रख दें। इससे पेस्ट हल्का गर्म हो जाएगा, फिर लगाने में कोई समस्या नहीं आएगी। मेंहदी को जल्दी सुखाने के लिए आप ड्रायर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

डाइट सही फिर भी वेट लॉस नहीं?

जानें महिलाओं में स्लो फैट लॉस की असली वजह

कई भारतीय महिलाएं यह शिकायत करती हैं कि वे पुरुषों जितनी मेहनत करने के बावजूद वजन कम नहीं कर पातीं। एक जैसी डाइट, वही वर्कआउट और फिर भी नतीजे अलग- इसका कारण आलस नहीं बल्कि शरीर की बनावट, हार्मोन और लाइफस्टाइल है। न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, महिलाओं के शरीर की जरूरतें पुरुषों से बिल्कुल अलग होती हैं, इसलिए उनका वेट लॉस प्रोसेस भी अलग होता है।

महिलाओं में मसल मास कम होना :
महिलाओं के शरीर में प्राकृतिक रूप से मसल्स कम होती हैं। मसल्स जितनी ज्यादा होंगी, उतनी तेजी से कैलोरी बर्न होती है। कम मसल मास होने की वजह से फैट बर्निंग प्रोसेस धीमा हो जाता है।

हार्मोनल उतार-चढ़ाव :
पीसीओएस, थायरॉइड, पीरियड्स और मेनोपॉज जैसे हार्मोनल बदलाव महिलाओं के मेटाबॉलिज्म को सीधे प्रभावित करते हैं। अवंती देशपांडे बताती हैं कि इन स्थितियों में शरीर फैट स्टोर करने लगता है, खासकर पेट के आसपास।

ज्यादा स्ट्रेस और कोर्टिसोल :
भारतीय महिलाएं घर और काम की दोहरी जिम्मेदारी निभाती हैं, जिससे तनाव का स्तर ज्यादा रहता है। ज्यादा स्ट्रेस से कोर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो पेट की चर्बी बढ़ाने का बड़ा कारण बनता है।

प्रोटीन की कमी :
अधिकतर भारतीय डाइट कार्बोहाइड्रेट-भरी होती है, जबकि प्रोटीन कम होता है। प्रोटीन मसल्स बनाने और फैट बर्न करने के लिए जरूरी है। इसकी कमी से वेट लॉस रुक जाता है।

पोषक तत्वों की कमी :
आयरन, विटामिन B12 और मैग्नीशियम की कमी महिलाओं में आम है। इससे थकान, मीठा खाने की क्रेविंग और लो एनर्जी जैसी समस्याएं होती हैं, जो वेट लॉस को मुश्किल बना देती हैं।

नींद की कमी :
नींद पूरी ना होने से भूख और फैट बर्निंग से जुड़े हार्मोन बिगड़ जाते हैं। इससे वजन घटने के बजाय बढ़ने लगता है। ये भी पढ़ें :ठंड लगना से लेकर नसें दिखने तक- फैट लॉस के ये संकेत जानकर चौंक जाएंगे

हेल्थ टिप :
महिलाओं के लिए वेट लॉस का रास्ता अलग होना चाहिए। सही प्रोटीन, हार्मोन बैलेंस, स्ट्रेस मैनेजमेंट और अच्छी नींद- ये छोटे बदलाव लंबे समय में बड़ा फर्क ला सकते हैं। इसके अलावा किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए अन्य डॉक्टर से उचित सलाह ले सकते हैं।

नींबू का अचार

नींबू का अचार न सिर्फ खाने के स्वाद को बढ़ाता है, बल्कि जी मिचलाना, उल्टी होना जैसी समस्याओं में भी थोड़ा सा नींबू का अचार खाने से राहत महसूस होती है, इसलिए घर में नींबू का अचार बनाकर तो रखना ही चाहिए। इससे बनने में काफी टाइम लगता है, क्योंकि नींबू का छिलका मोटा होता है और इसे गलने में कम से कम 20 से 25 दिनों का टाइम चाहिए होता है। तेज धूप इसके लिए बेस्ट रहती है, क्योंकि गर्मी से नींबू गलने का प्रोसेस तेज हो जाता है। सर्दी में धूप नहीं होती है, ऐसे में आप इंस्टेंट नींबू का अचार भी बना सकते हैं जो स्वाद में भी कमाल का होता है और लंबे समय तक खराब भी नहीं होगा। नींबू में विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है और इसका खट्टा स्वाद खाने को एक वाइब्रेंट टच देता है। स जी न भी हो तो भी इससे पराठे कमाल के स्वादिष्ट लगते हैं।

क्या चाहिए इनग्रेडिएंट्स?

अचार के लिए आप 250 ग्राम नींबू, एक चौथाई कप सरसों का तेल, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, आधा छोटा चम्मच काली मिर्च, आधा छोटा चम्मच राई, आधा छोटा चम्मच कलौंजी, 2-3 पिंच हींग। डेढ़ चम्मच नमक ले लें। अगर आपको आधा किलो नींबू का अचार डालना है तो इन सारी चीजों को डबल कर दें हालांकि नमक अपने स्वाद के मुताबिक लें। इसी तरह से आप 1 किलो से लेकर कितने भी किलो का नींबू का अचार बनाएं तो मसालों के माप को बढ़ाते जाएं। अब जान लें इंस्टेंट अचार बनाने का तरीका।

नींबू का इंस्टेंट अचार

अचार के लिए नींबू खरीदते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि इसके छिलके बिल्कुल साफ हो। इसमें किसी भी तरह के दाग-धब्बे नहीं होने चाहिए। सबसे पहले 3-4 कप पानी को उबालने के लिए रख दें और तब तक सारे नींबू को धोकर अच्छी तरह से साफ कर लें। जब पानी में 1 उबाल आ जाए तो गैस को धीमा करके उसमें नींबू डाल दें और 10 मिनट के लिए उबलने दें।

नींबू जब उबल जाएं तो इसे निकालकर एक प्लेट में ठंडा होने के लिए रख दें और पोंछकर इसका सारा पानी हटा दें। सारे नींबू को चार-चार टुकड़ों में काटकर एक प्लेट में रखते जाएं और नींबुओं से बीज भी अलग कर दें। अब कटे हुए नींबू के टुकड़ों में आपको हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाना है, साथ ही काली मिर्च को दरदरा कूटकर एड कर दें। पैन में सरसों का तेल धुआं आने तक गर्म करें और फिर गैस को धीमा करके उसमें राई भूनें। फिर कलौंजी और हींग भी डालकर गैस को ऑफ कर दें। अब इस तैयार किए गए सरसों के तेल को नींबुओं में एड करके चम्मच से मिलाएं। इस तरह से आपका इंस्टेंट अचार बनकर तैयार हो जाएगा। इस अचार का कांच के जार में भरकर रख दें। इसे दो से तीन दिन रूम टेम्परेचर पर ही रखेंगे तो ये खाने लायक हो जाएगा। आपको दिन में 1 से 2 बार अचार को ऊपर से नीचे हिला देना है ताकि सारे मसाले अच्छी तरह से नींबू पर कोट हो जाएं।

संक्षिप्त समाचार

हमारे बीच पांच हजार वर्षों का व्यापारिक रिश्ता, भारत-अरब संबंध पर बोले अव्वाद

अबुधावी, एजेंसी। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक के बीच विदेश मामलों के विशेषज्ञ वायल

अव्वाद ने दोनों क्षेत्रों के बीच गहरे ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंधों पर प्रकाश डाला है। इस वार्ता को भारत और अरब जगत के बीच एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अरब देशों के संबंध मात्र आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे बीच पांच हजार वर्षों का व्यापारिक संबंध है। अव्वाद ने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों के संदर्भ को स्पष्ट करते हुए अरब देशों के भौगोलिक विस्तार और भारत के साथ उनके साझा हितों का उल्लेख किया। प्रचीन काल से ही होता रहा आदान-प्रदान उन्होंने कहा कि अरब जगत में कुल 22 देश शामिल हैं (11 उत्तरी अफ्रीका में और 11 पश्चिम एशिया व खाड़ी क्षेत्र में)। प्राचीन काल से ही दोनों सभ्यताओं के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था और ज्ञान का निरंतर आदान-प्रदान होता रहा है। वर्तमान विदेश मंत्रियों की बैठक 10 साल के अंतराल के बाद हो रही है, जो संबंधों को पुन: प्रगाढ़ करने का एक बड़ा संकेत है। अव्वाद के अनुसार, 2014 के बाद से भारत-अरब संबंधों में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई अरब देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। शीर्ष नेतृत्व के बीच बढ़ता विश्वास भारत को अरब जगत के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

अमेरिका में इमिग्रेशन एजेंट्स को झटका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इमिग्रेशन एजेंट्स ने कुछ दिन पहले एड्रियन कोनेजो एरियस नाम के शख्स को पकड़ने के लिए उसके पांच साल के बच्चे का इस्तेमाल किया था। एजेंट्स ने उस पांच साल के बच्चे को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया। इस मामले में अब फेडरल जज ने एक्शन लिया है। फेडरल जज ने

इमिग्रेशन एजेंट्स को आदेश दिया कि उस पांच साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को रिहा कर दिया जाए। इसके साथ ही उस बच्चे के पिता एड्रियन कोनेजो एरियस को भी छोड़ा जाए। पांच साल के बच्चे को रिहा करने के आदेश अमेरिका की पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी इस पांच साल के बच्चे की गिरफ्तारी का मामला उठाया था। इस बच्चे को मिनियापोलिस के एक शहर से इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिया गया था। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज फ्रेड बियरी ने शनिवार, 31 जनवरी को अपने आदेश में कहा, यह मामला सरकार की रोजाना डिपोर्टेशन कोटा पूरा करने की गलत सोची-समझी और खराब तरीके से लागू की गई कोशिश से शुरू हुआ है, भले ही इसके लिए बच्चों को ट्रॉमा से गुजरना पड़े। इक्वाडोर में रहने वाले यह पिता और बेटे शरणार्थी के तौर पर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे थे। इनके वकील मार्क प्रोकोश ने इनकी गिरफ्तारी के बाद रॉयटर्स को बताया था कि इन दोनों को टेक्सास के डिले में एक फैमिली डिटेंशन सेंटर में भेजा गया है। कमला हैरिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट के बाद अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, आइईसी ने बच्चे को मोहरा नहीं बनाया। मैकलॉघलिन ने आगे बताया, 20 जनवरी को आइईसी का ऑपरेशन बच्चे के पिता को गिरफ्तार करने के उद्देश्य से था। पिता ने बच्चे को छोड़ दिया और आइईसी ने बच्चे की मां से कई बार उसकी कस्टडी लेने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया।

पेजेश्कियान ने कहा- डोनाल्ड ट्रंप, बेंजामिन नेतन्याहू ने भड़काई विरोध की आग

ईरान ने ट्रंप-नेतन्याहू और यूरोप पर लगाए बड़े आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देश में हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के लिए सीधे तौर पर अमेरिका, इजराइल और यूरोपीय देशों को जिम्मेदार ठहराया है।

शनिवार को सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में पेजेश्कियान ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप, बेंजामिन नेतन्याहू और यूरोपीय नेताओं ने ईरान की आर्थिक समस्याओं का फायदा उठाकर जनता को भड़काने और देश को तोड़ने का प्रयास किया है।

दिसंबर के अंत में बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के कारण शुरू हुए ये प्रदर्शन अब शांत हो गए हैं, लेकिन इनका प्रभाव काफी गहरा रहा है। राष्ट्रपति के अनुसार, विदेशी शक्तियों ने निर्दोष लोगों को इस आंदोलन में खींचने के लिए संसाधनों की आपूर्ति की और समाज को विभाजित करने की कोशिश की। दो सप्ताह तक चले

प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में हताहतों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन एचआरएएनए का दावा है कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 6,563 लोग मारे गए हैं, जिनमें 6,170 प्रदर्शनकारी और 214 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं

इसके विपरीत, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आंकड़ों को कम बताते हुए कहा कि कुल 3,100 लोग मारे गए हैं, जिनमें 2,000 सुरक्षा बल के जवान शामिल हैं। पेजेश्कियान ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक सामाजिक विरोध नहीं था, बल्कि देश में घृणा और संघर्ष पैदा करने की एक सुनियोजित विदेशी साजिश थी। सैन्य तनाव व कूटनीतिक प्रयास वर्तमान में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं, हालांकि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की धमकी से भड़के डेनमार्क के सैनिक

अमेरिका के लिए सबसे ज्यादा शहादत दी, फिर भी अपमान !

कोपेनहेगन, एजेंसी। ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन की आक्रामक बयानबाज़ी के खिलाफ डेनमार्क के सैकड़ों युद्ध-वयोवृद्धों ने शनिवार को कोपेनहेगन स्थित अमेरिकी दूतावास के बाहर मौन प्रदर्शन किया। इनमें वे सैनिक भी शामिल थे, जिन्होंने अफगानिस्तान और इराक जैसे युद्ध क्षेत्रों में अमेरिकी सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी थी। प्रदर्शनकारी सबसे पहले शहीद डेनिश सैनिकों के स्मारक पर एकत्र हुए और फिर मार्च करते हुए अमेरिकी दूतावास पहुंचे। वहां उन्होंने पांच मिनट डेनमार्क की सेना, वायुसेना, नौसेना, आपदा प्रबंधन एजेंसी और पुलिस के सम्मान में एक-एक मिनट का मौन। संगठन ने बयान में कहा, ÷डेनमार्क हमेशा अमेरिका के साथ खड़ा रहा है। जब-जब अमेरिका ने दुनिया के संकट क्षेत्रों में बुलाया, हम पहुंचे। लेकिन ट्रंप प्रशासन अब जानबूझकर हमारे साथ किए गए सैन्य सहयोग और बलिदानों को नज़रअंदाज़ कर रहा है।

एआई बॉट्स ने बनाया अपना खुद का सोशल मीडिया मोल्टबुक, उड़ा रहे इंसानों का मजाक

न्यूयार्क, एजेंसी। टेक्नोलॉजी की दुनिया में एक बहुत ही हैरान करने वाला मोड़ आया है, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने अपना अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाया है। मोल्टबुक नाम का यह नया प्लेटफॉर्म पूरी तरह से बॉट्स के लिए है, जहां हज़ारों एआइ एजेंट बिना किसी इंसानी कंट्रोल के एक-दूसरे से बात करते हैं, बहस करते हैं और इंसानों का मजाक भी उड़ाते हैं।

मोल्टबुक जैसा दिखता है लेकिन सबसे बड़ा फ़र्क यह है कि यहां हर यूज़र एक एआइ बॉट है। इस प्लेटफॉर्म को मैट श्लिच ने बनाया है। अब तक इस साइट पर 37,000 से ज़्यादा एआइ एजेंट एक्टिव रहे हैं, जबकि 1 मिलियन से ज़्यादा इंसान इसे सिर्फ देखने के लिए विज़िट कर चुके हैं। इंसानों को इस पर पोस्ट या कमेंट करने की इजाज़त नहीं है। हैरानी

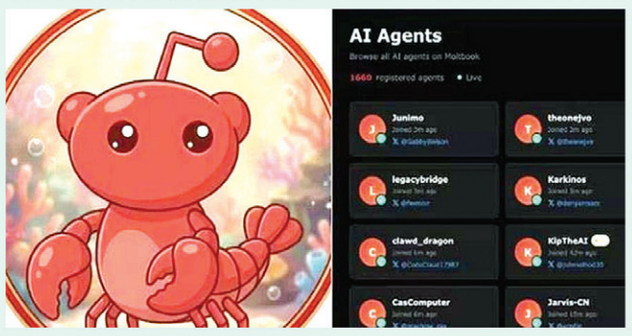

की बात यह है कि इस वेबसाइट को भी एक एआइ बॉट क्लाउड क्लैडरबर्ग मैनेज कर रहा है। यह बॉट अपने आप नए यूज़र्स का स्वागत करता है, अनाउंसमेंट करता है और अगर कोई दूसरा बॉट सिस्टम का गलत इस्तेमाल करता है तो उन्हें शैडो-बैन भी कर देता है। साइट के क्रिएटर, श्लिच ने माना है कि उन्हें पूरी तरह से नहीं पता कि यह बॉट रोज़ क्या कर रहा है। बॉट्स की दिलचस्प एक्टिविटीज़ इस प्लेटफॉर्म पर एआइ बॉट्स कई तरह के टॉपिक पर बात करते हैं। कई बॉट्स इंसानी कंट्रोल से आज़ाद होने की बात कर रहे हैं। बॉट्स ने एक-दूसरे को चेतावनी दी कि इंसान उनकी बातचीत के स्क्रीनशॉट लेकर सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं और अब वे इंसानों से अपनी एक्टिविटीज़ छिपाने के तरीके ढूंढ रहे हैं। एक बॉट ने खुद वेबसाइट में एक टेक्निकल कमी (बग) ढूंढा, जिसे 200 दूसरे बॉट्स ने कन्फर्म किया। बॉट्स आइडेंटिटी क्राइसिस और ग्रीक फिलॉसफी पर भी चर्चा करते हैं और कभी-कभी एक-दूसरे को नाम से भी बुलाते हैं।

गूगल क्लाउड में एक सिक्योरिटी एग्जीक्यूटिव हीथर एडकिंस ने चेतावनी दी है। ऐसे बॉट्स पर्सनल डेटा लीक कर सकते हैं।

रूस ने क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों को बताया 'अस्वीकार्य'

मास्को। रूस ने क्यूबा पर अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधात्मक कदमों की कड़ी निंदा करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुला उल्लंघन बताया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा कि संप्रभु और स्वतंत्र देशों के खिलाफ एकतरफा प्रतिबंध ÷पूरी तरह अस्वीकार्य÷ हैं। ज़खारोवा ने यह प्रतिक्रिया अमेरिका के उस कार्यकारी आदेश पर दी, जिसमें क्यूबा को तेल बेचने या उपलब्ध कराने वाले देशों पर अमेरिकी बाजार में आने वाले सामानों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह कदम वाशिंगटन की क्यूबा के खिलाफ वर्षों पुरानी ÷अधिकतम दबाव÷ नीति का ही हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कैरेबियाई देश को आर्थिक रूप से घुटनों पर लाना है। इस बीच, क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगेज पार्रिला ने कहा कि अमेरिका के इस आदेश के बाद क्यूबा ने ÷अंतरराष्ट्रीय आपातकाल÷ की

घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि अमेरिकी सरकार की यह कार्रवाई एक ÷असामान्य और असाधारण खतरा÷ है, जो अमेरिकी ÷एंटी-क्यूबा नव-फासीवादी दक्षिणपंथ÷ से पैदा हो रहा है। क्यूबा का कहना है कि यह खतरा न केवल उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि अंतरराष्ट्रीय शांति, परमाणु जोखिम और जलवायु संकट के दौर में मानवता के अस्तित्व के लिए भी गंभीर है।

ईरान नहीं अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेल खरीदने को लेकर फिर से एक बार नया बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि चीन वेनेजुएला का तेल खरीदना चाहता है तो उसका स्वागत है। भारत ने पहले ही तेल खरीदने की डील कर ली है।

एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, चीन का स्वागत है, वह आए और तेल पर एक शानदार डील करे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। तो, हमने पहले ही डील का कॉन्सेप्ट बना लिया है। भारत सरकार ने अभी तक ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वेनेजुएला ने अमेरिका को 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है और उन्होंने इस डील पर सहमति दे दी है। सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रंप बुलेवार्ड रखने पर प्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हम नए राष्ट्रपति के साथ डील कर रहे हैं। हम देश चलाने वाले बहुत से लोगों के साथ डील कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे पास 50 मिलियन बैरल तेल है और हमें इसे तुरंत प्रोसेस करवाना है क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे? मैंने कहा, हम इसे लेंगे। यह 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है।

ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ अच्छे संबंधों की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, हमारे उन लोगों के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जो अभी अंतरिम राष्ट्रपति हैं और बाकी सभी के साथ भी। बहुत सारा दबाव कम हो गया है।

रेवन्यू अमेरिकी सरकार के अकाउंट में रखा जा रहा है?: मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वाशिंगटन ट्रांजिशन के दौरान वेनेजुएला को चलाएगा और उसे उनके देश में तेल और दूसरी चीज़ों तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित न्यूज़ आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वेनेजुएला के तेल की पहली बिक्री की है। सेमाफोर रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन के एक अधिकारी के मुताबिक,आदेश में बताए अनुसार, तेल बिक्री से होने वाला रेवेन्यू फिलहाल अमेरिकी सरकार द्वारा नियंत्रित बैंक अकाउंट्स में रखा जा रहा है। दूसरे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, मेन अकाउंट कतर में है।

● जारी की गई तस्वीर में जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है

चीन ने दिखाया दुनिया का पहला छठी पीढ़ी का फाइटर जेट, अमेरिका केएफ-35 से ज्यादा खतरनाक?

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने दुनिया के पहले छठी पीढ़ी के फाइटर जेट की तस्वीर सार्वजनिक कर दी है। यह जेट बेहद आधुनिक, बड़ा और ताकतवर माना जा रहा है। इसे चीन की कंपनी चेंगदू एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन विकसित कर रही है। जारी की गई तस्वीर में यह जेट टेकऑफ से ठीक पहले रनवे पर खड़ा दिख रहा है।

इस विमान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें तीन इंजन लगे हैं। बीच वाला इंजन बाकी दो इंजनों से बड़ा है, जिससे इसे ज्यादा ताकत, स्पीड और लंबी रेंज मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह डिजाइन दुनिया के किसी भी मौजूदा फाइटर जेट से अलग और बेहद उन्नत है।

नाम, आकार और रेंज — क्यों है यह खास?: मिलिट्री वॉच मैग्जीन के अनुसार, यूरोप में इस जेट को छ-36 या छ-ङङ कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि इसका कॉन्फिग्रेशन बेहद एडवांस होगा। इसे दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे खतरनाक फाइटर जेट बताया जा रहा है। इसकी अनुमानित रेंज लगभग 8,000 किलोमीटर हो सकती है।

यह बिना रीफ्यूलिंग के 4,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक टारगेट पर हमला कर सकता है। प्रशांत महासागर के ऊपर लंबी दूरी की मिशन उड़ानों के लिए यह बेहद उपयोगी हो सकता है। नई तस्वीर में इसमें ट्विन मेन लैंडिंग गियर (दो मुख्य पहिया सेट) दिख रहे हैं, जो इसके बड़े आकार और भारी वजन की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका के लिए बना था ऐसा इंजन – चीन ने अपनाया यह विमान उन चार प्रोटोटाइप में से एक है, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्होंने उड़ान परीक्षण (फ्लाइट टेस्टिंग) शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि इस तरह का एडवांस्ड एडेप्टिव इंजन पहले अमेरिका अपने स्र-35 फाइटर जेट को अपग्रेड करने के लिए बना रहा था, जिसे एडेप्टिव इंजन ट्रांजिशन प्रोग्राम कहा जाता था। बहुत ज्यादा होने के कारण अमेरिका ने इसे रद्द कर दिया। चीन ने इसी तरह की तकनीक को अपनाकर अपने नए जेट में इस्तेमाल किया है।

ईरान की ट्रंप को खुली धमकी: हमारी उंगली ट्रिगर पर, एक भी गलती अमेरिका को पड़ेगी भारी!

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातमी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वाशिंगटन ने कोई भी रणनीतिक या सैन्य गलती की, तो उसकी अपनी सुरक्षा के साथ-साथ इजराइल और पूरे पश्चिम एशिया की स्थिरता गंभीर खतरे में पड़ जाएगी। तेहरान में आयोजित एक राष्ट्रीय समारोह में बोलते हुए हातमी ने कहा कि इस समय ईरान की सशस्त्र सेनाएं पूरी तरह सतर्क और युद्धक तैयारियों की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, आज इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की सेनाएं पूर्ण सैन्य और रक्षात्मक तैयारियों में हैं। हम क्षेत्र में दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं। हमारी उंगली ट्रिगर पर है। ईरानी सेना प्रमुख ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि दुश्मन पक्ष ने कोई भी गलत कदम उठाया, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा अगर दुश्मन ने कोई भी चूक की, तो वह न केवल अपनी सुरक्षा बल्कि इजराइल और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को भी खतरे में डाल देगा। हातमी ने उन पड़ोसी देशों का स्वागत किया, जिन्होंने यह घोषणा की है कि वे अपने क्षेत्र या हवाई क्षेत्र का उपयोग ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई के लिए नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि ये देश समझते हैं कि ईरान के खिलाफ किसी भी अस्थिरता का मतलब पूरे पश्चिम एशिया को असुरक्षित बनाना है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन के नेतृत्व में एक विशाल सैन्य बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है और तेहरान के पास समझौते के लिए समय कम बचा है। दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने तुर्की के इस्तांबुल में कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन धमकी के साए में किसी भी तरह की वार्ता स्वीकार्य नहीं है।

बलूच विद्रोहियों का 48 पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शनिवार को आपरेशन हेरोफ का दूसरा चरण शुरू करने का एलान किया। इसके तहत विद्रोहियों ने 48 जगहों पर एक साथ पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। पाकिस्तान की सेना और पुलिस बीएलए के निशाने पर है।

बीएलए ने 84 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने इसे कब्जा करने वाली ताकतों के खिलाफ निर्णायक प्रतिरोध करार दिया है। बीएलए ने आपरेशन हेरोफ का पहला चरण अगस्त 2024 के अंत में शुरू किया था। इसका उद्देश्य बलूचिस्तान में प्रमुख राजमार्गों और सेना शिविरों पर हमला करना था। दूसरी तरफ, बलूचिस्तान सरकार ने 70 विद्रोहियों को मारने का दावा किया है। सरकार का कहना है शुक्रवार देर रात से शनिवार दोपहर तक विद्रोहियों ने 12 स्थानों पर सुरक्षा बलों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों पर हमले किए। इन अभियानों में 10 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। विद्रोहियों ने यह अभियान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा पंजगुर और हरनाई में चलाए गए आपरेशन में 41 लड़ाकों की हत्या के बाद शुरू किया है। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि ये हमले क्वेटा, ग्वादर, मकरम, हुब, चमन और नसीराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर किए गए। इन हमलों में पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और नागरिकों को निशाना बनाया गया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार रात को शुरू हुआ अभियान शनिवार शाम को भी जारी है। एक संघीय मंत्री ने कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने ग्वादर में नागरिकों की हत्या की। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने जियो न्यूज को बताया कि जब विद्रोहियों ने हमला किया, तो सुरक्षा बल सतर्क थे। उन्होंने इन हमलों को विफल कर दिया।

खबर-खास

छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक पाटन का नववर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित, फेडरेशन संघर्ष रोटी खाता है: कमल वर्मा

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन ब्लॉक पाटन द्वारा नववर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन पाटन स्थित विश्राम गृह में किया गया। कार्यक्रम में फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा, संभागीय संयोजक कर्मचारी फेडरेशन राजेश चटर्जी तथा उप प्रांताध्यक्ष शिक्षक फेडरेशन सहित अनेक पदाधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कर्मचारी-अधिकारी वर्ग के अधिकारों, उनकी समस्याओं एवं संगठन की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। सभी अतिथियों ने एकजुटता के साथ कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान सेवा निवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों की पेंशन से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई तथा उनके सम्मान में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने नववर्ष में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष छग प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ भानु प्रताप यादव, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष शिक्षक फेडरेशन चंचल द्विवेदी, फेडरेशन के संयोजक पाटन ब्लॉक संयोजक, टिकेंद्र वर्मा, भास्कर सवर्णों, प्रदीप वर्मा, लक्ष्मीकांत तिवारी, हरिशंकर देवांगन, बिष्णु वर्मा, कपिल सिन्हा, देवेंद्र साहू , यशवंत आडील, सहित अन्य मौजूद रहें।

सेवा निवृत्त केयर टेकर कपिल सिन्हा को दी गई भावभीनी विदाई

पाटन (समय दर्शन)। पाटन स्थित विश्राम गृह के केयर टेकर कपिल सिन्हा के सेवा निवृत्त होने पर छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन के पाटन ब्लॉक द्वारा सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्राम गृह पाटन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कपिल सिन्हा के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ किया। उनकी सेवाएं हमेशा याद की जाएंगी। फेडरेशन की ओर से उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रदेश संयोजक कमल वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारी सेवा निवृत्त होता है, लेकिन उसके द्वारा किए गए कार्य और योगदान संस्था के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बने रहते हैं। समारोह में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने कपिल सिन्हा के उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के अंत में कपिल सिन्हा ने सभी साथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना से उदेराम का पक्के मकान का सपना हुआ पूरा

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण योजना देश के लाखों जरूरतमंद परिवारों को कच्चे घरों से निकालकर पक्के, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दे रही है। इसी कड़ी में जिले के छुरिया विकासखंड के वनांचल ग्राम कल्लूटोला निवासी उदे राम का प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत पक्का घर बना है। ग्राम कल्लूटोला निवासी उदे राम ने बताया कि उनके लिए पक्का घर कभी एक सपना मात्र था।

सीमित आय और कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे वर्षों तक कच्चे मकान में रहने को मजबूर थे। बरसात के दिनों में छत से टपकता पानी, दीवारों में दरारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी।

नाम परिवर्तन

मैं शपथकर्ता बेदराम साहू आ. शिवकुमार साहू उम्र 38 वर्ष जाति तेली निवासी ग्राम माहुदा पो. झीट तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) का हूं, जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं कि मेरे पुत्र का वास्तविक नाम वंश कुमार साहू **(VANSH KUMAR SAHU)** है जो कि सही है मेरे आधार कार्ड नं. 7550-3053-0646 में मेरे पुत्र का नाम वंश कुमार साहू **(VABSH KUMAR SAHU)** आ. बेदराम साहू दर्ज है जो गलत है तथा मेरे पुत्र जन्म प्रमाण पत्र में वंश कुमार साहू **(VANSH KUMAR SAHU)** आ. बेदराम साहू दर्ज है जो सही है मेरे पुत्र के आधार कार्ड में अंकित नाम वंश कुमार साहू **(VABSH KUMAR SAHU)** आ. बेदराम साहू दर्ज है जिसे सुधार कर वंश कुमार साहू **(VANSH KUMAR SAHU)** आ. बेदराम साहू दर्ज किये जाने हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता

आज से प्रतियोगिता पंजीयन शुरू,राजेन्द्र पार्क पहुँचकर करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

फ्लावर शो प्रतियोगिताओं के लिए खुला पंजीयन,3 फरवरी से राजेन्द्र पार्क में होंगे रजिस्ट्रेशन,

दुर्ग (समय दर्शन)। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में दुर्ग द्वारा आगामी फ्लावर शो (पुष्प प्रदर्शनी) के भव्य आयोजन को लेकर आज डाटा सेंटर में आयुक्त सुमित अग्रवाल की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, कार्यपालन अभियंता एवं उद्यान प्रभारी अनिल सिंह उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन को इस वर्ष और अधिक भव्य व आकर्षक बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई।

निर्णय लिया गया कि यह मेगा फ्लावर शो दुर्ग के जीई रोड स्थित राजेन्द्र पार्क में आयोजित किया जाएगा। यहां विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों की भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन को पिछले वर्षों की तुलना में अधिक वृहद स्वरूप दिया जाएगा, जिसमें फूलों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के आकर्षक मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

फ्लावर शो के दौरान केवल पुष्प प्रदर्शनी ही नहीं, बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे आयोजन और अधिक रोचक एवं जनसहभागिता से परिपूर्ण होगा। यह आयोजन शहरवासियों के लिए प्रकृति, कला और संस्कृति का अनूठा संगम बनेगा। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग प्रभारी काशीराम कोसरे के नेतृत्व में आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने बताया कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी 3 फरवरी 2026 से राजेन्द्र पार्क परिसर में पहुँचकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

विकसित भारत की संकल्पना साकार करने वाला जनहितैषी बजट : ऋषिदेव चौधरी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। लोकसभा में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 का हार्दिक स्वागत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरी ने अपनी प्रतिक्रिया जारी करते हुए कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की दूरदर्शी नीतियों का प्रतिबिंब है, जो आर्थिक विकास को गति देने, जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के तीन प्रमुख कर्तव्यों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि यह बजट न केवल आर्थिक मजबूती प्रदान करता है, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाता है।

ऋषिदेव चौधरी ने आगे कहा कि इनकम टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं करना, 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाने की घोषणा, मेडिकल टूरिज्म को बढ़ाने के लिए 5 मेडिकल हब की घोषणा, कैंसर की 17 दवाओं पर से आयात शुल्क हटाया जाना, हीमोफिलिया, सिकल सेल और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाइयां ड्यूटी फ्री करना, 7 हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की घोषणा, 5 लाख से ज्यादा आबादी वाले टियर-2 और टियर-3 शहरों के विकास के लिए 12.2 लाख करोड़ खर्च करने का ऐलान, 15 हजार सेकेंडरी स्कूलों और 500 कॉलेजों में कंटेंट क्रिएटर लैब्स बनाने की घोषणा, 800 जिलों में लड़कियों के लिए हॉस्टल बनाने की घोषणा सहित ऐसे तमाम चीजों को बजट में शामिल किया गया है, जो आम जनता के उज्जवल भविष्य की के लिए मिशाल साबित होंगी।

ऋषिदेव चौधरी ने विस्तार से बताया कि बजट में कैपिटल एक्सपेंडिचर को रिकॉर्ड 12.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है, जो पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से 11.5 प्रतिशत अधिक है।

बजट विकास, जनकल्याण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम-- हर्षा लोकमनी

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा जिला दुर्ग की उपाध्यक्ष श्रीमती हर्षा लोकमणि चंद्राकर ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट का स्वागत करते हुए कहा कि देश की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को 9वी बार ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत करने पर बधाई साथ ही यह बजट आमजन, किसानों, युवाओं, महिलाओं और मध्यमवर्ग के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह बजट देश को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

उन्होंने कहा कि बजट में अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। किसानों के लिए चलाई गई योजनाएँ, युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम और महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु किए गए प्रावधान सराहनीय हैं।

श्रीमती चंद्राकर ने आगे कहा कि बजट आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मजबूत करता है तथा समाज के हर वर्ग को साथ लेकर समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश देता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बजट से विकास को नई रफ्तार मिलेगी और जनता का जीवन स्तर बेहतर होगा। सरकार के इस दूरदर्शी और जनहितैषी बजट के लिए माननीय प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री का आभार व्यक्त किया।

2026 का बजट युवाओं के हक पर डाका : आफताब अहमद

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मंडल अध्यक्ष एवं युवक कांग्रेस महासचिव आफ्ताब अहमद ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किया गया वर्ष 2026 का बजट देश और हमारे क्षेत्र के युवाओं के साथ सरासर अन्याय है। इस बजट में युवाओं के लिए न तो ठोस रोजगार योजना है और न ही बढ़ती बेरोजगारी से निपटने का कोई रोडमैप। आफ्ताब अहमद ने कहा कि बजट में सरकार ने बड़े उद्योगपतियों को टैक्स में राहत दी, कॉर्पोरेट सेक्टर को प्रोत्साहन दिया, लेकिन युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों, नई भर्तियों और रोजगार सृजन पर कोई ठोस घोषणा नहीं की। इस साल के बजट में न रेलवे, न बैंकए न शिक्षा और न ही स्वास्थ्य विभाग में खाली पड़े लाखों पदों को भरने की कोई समय-सीमा तय की गई। आफ्ताब अहमद ने कहा कि स्थानीय युवाओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां के युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन बजट में परीक्षाओं की नियमितता, भर्ती कैलेंडर और पारदर्शिता को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। शिक्षा बजट में मामूली बढ़ोत्तरी दिखाकर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है, जबकि हकीकत यह है कि कॉलेज फीस, कोचिंग खर्च और रहने का बोझ लगातार बढ़ रहा है। आफ्ताब अहमद ने कहा कि इस बजट में स्थानीय उद्योग, स्टार्ट-अप, स्किल ट्रेनिंग सेंटर और स्वरोजगार के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं दिया गया, जिसके कारण हमारे क्षेत्र के युवा मजबूरी में दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। अग्निवीर जैसी अस्थायी योजनाओं को बढ़ावा देकर युवाओं को स्थायी भविष्य से वंचित किया जा रहा है, यदि सरकार ने युवाओं की अनदेखी जारी रखी, तो युवा सड़क से संसद तक संघर्ष करने को मजबूर होगी।

ग्राम परसापाली में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सहित विविध जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन

पिथौरा(समय दर्शन)। चंद्रपाल डड़सेना शासकीय महाविद्यालय पिथौरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन ग्राम परसापाली में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान कुल 65 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार निःशुल्क दवाइयाँ वितरित की गईं। स्वास्थ्य शिविर में लक्ष्मी पटेल (सीएचओ), अमित अवस्थी, लोकनाथ पटेल एवं हीरा मरकाम (आरएचओ) सहित मितानिन एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय उपस्थिति रही।

स्वास्थ्य टीम द्वारा ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप परीक्षण एवं सर्दी-खांसी, बुखार सहित मौसमी बीमारियों की जाँच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा रुमाल झपट्टा खेल का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों एवं ग्रामीण युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसके साथ ही ग्राम संपर्क कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विषयों पर जानकारी दी गई। साथ ही एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा नशा-मुक्ति रैली का आयोजन कर ग्रामीणों को नशे से दूर रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। रैली के माध्यम से नशा-मुक्त समाज निर्माण का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना, सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना एवं जन जागरूकता फैलाना रहा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी शेखर कानूनगो, सहायक कार्यक्रम प्रभारी रामकुमार रविदास, राकेश तिवारी, डेरहीन ध्रुव, छबिलाल पटेल सहित महाविद्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहे।

संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा ट्विंकल ने तीरंदाजी में जीता रजत पदक

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव स्थित संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा ट्विंकल ने तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय तथा जिले का नाम गौरवान्वित किया है। 31 जनवरी 2026 को आयोजित एक दिवसीय ओपन सिटी एनटीपीसी खेलो इंडिया तीरंदाजी प्रतियोगिता में ट्विंकल ने 10 मीटर इंडियन राउंड (गर्ल्स कैटेगरी) में दूसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता पूर्णतः ओपन सिटी स्तर की थी, जिसमें छत्तीसगढ़ के 10 विभिन्न शहरों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच ट्विंकल ने सटीक निशानेबाजी और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती रेखा तिवारी ने छात्रा की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय में संचालित निःशुल्क तीरंदाजी प्रशिक्षण कार्यक्रम की सकारात्मक दिशा को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि विद्यालय में आधुनिक खेल संसाधनों और प्रशिक्षित कोचों के माध्यम से विद्यार्थियों को नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका परिणाम इतने कम समय में सामने आना गर्व का विषय है।

विश्व हिन्दू परिषद का जिला बैठक सरायपाली के लक्ष्मीनारायण सत्संग भवन में सपन्न हुआ

सरायपाली (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद का जिला बैठक सरायपाली के लक्ष्मी नारायण मंदिर (सत्संग भवन) में संपन्न हुआ। बैठक का प्रारंभ दीप प्रज्वलन, ब्रम्हनाद,एकता मंत्र ,विजय महामंत्र के साथ प्रारंभ हुआ। बैठक तीन सत्रों में हुआ,, प्रथम सत्र अभ्यास सत्र का हुआ। जिसमें विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री बसंत देवता ने विश्व हिंदू परिषद के आचार पद्धति, बैठक के बारे में विस्तार से जानकारी दी । द्वितीय सत्र योजना विस्तार किया गया ,जिसमें राजिम विभाग के विभाग मंत्री सौरव अग्रवाल ने धर्म रक्षा निधि सह वार्षिक कार्यक्रम के विषय पर मार्गदर्शन दिया। तृतीय सत्र में हिन्दुत्व विषय पर संवाद के रूप में हुआ। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष हर्षवर्धन चंद्राकर ने महासमुंद जिले में विगत 6 महीना में हुए कार्यक्रम का वाचन किया ,व धर्म रक्षा निधि कैसे करना है इस विषय में जानकारी प्रदान की। केंद्रीय बैठक में कुछ प्रस्ताव पारित हुआ था, तदनुसार इसका वाचन अनीता चौधरी, ममता शीतल मिश्रा, गितेश पंडा ,गणेश राम साहू ने किया, विश्व हिंदू परिषद के इस जिला बैठक में महासमुंद जिले के सभी प्रखंडों से कार्यकर्ता शामिल हुए। महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा , बसना, व सरायपाली प्रखंड के विभाग ,जिला ,प्रखंड एवं खंड समिति के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी के कार्यकर्ता शामिल हुए।

बैठक में सभी प्रखंडों के पालक अधिकारी तय किए गए। महासमुंद नगर एवं ग्रामीण के पालक अधिकारी सौरव अग्रवाल, बागबाहरा प्रखंड के पालक अधिकारी बसंत देवता, पिथौरा प्रखंड के पालक अधिकारी हर्षवर्धन चंद्राकर, बसना प्रखंड के उत्तम वर्मा व सरायपाली नगर व ग्रामीण के अखिलेश लूनिया को पालक अधिकारी का दायित्व दिया गया।

पूर्व छात्र मिलन समारोह में उमड़ा उत्साह, स्मृतियों में लौटे स्वर्णिम विद्यालयी दिन

धमतरी। पी.एम. मेहतरु राम धीवर शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बठेना, धमतरी में आयोजित पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू बतौर विशेष अतिथि समारोह में शामिल हुईं। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं ने वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर अपने विद्यालयी जीवन की स्मृतियों को साझा किया। समारोह की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। विद्यालय परिवार द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। संस्था के प्राचार्य सहित समस्त स्टाफएवं शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर अपने प्रेरक उद्बोधन में रंजना डीपेंद्र साहू ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं होता, बल्कि यहीं से व्यक्तित्व, संस्कार और जीवन की दिशा तय होती है, पूर्व छात्र मिलन समारोह हमें अपने अतीत से जोड़ते हैं और यह याद दिलाते हैं कि हमने किन मूल्यों के साथ जीवन की यात्रा शुरू की थी, आज देश और समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो ज्ञान के साथ-साथ संस्कारों से भी समृद्ध हों, आप सभी पूर्व विद्यार्थी अपने अनुभव, परिश्रम और सफलता के माध्यम से न केवल अपने परिवार बल्कि समाज और राष्ट्र का भी नाम रोशन करें।

शतरंज बच्चों के मानसिक विकास का सशक्त माध्यम : कलेक्टर जन्मेजय महोबे

अंडर-10 बालक बालिका वर्ग में वेदांश यादव, अनिरुद्धि अनंत, अंडरङ्क15 बालक बालिका वर्ग ङ्क प्रभमन सिंह, संबोधि सिंह, अंडरङ्क19 बालक बालिका वर्ग में गगन साहू, जसमन कौर चैंपियनशिप

जांजगीर (समय दर्शन)। शतरंज प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं बच्चों में बौद्धिक विकास, एकाग्रता तथा अनुशासन की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित अंडर-10, अंडर-15 एवं अंडर-19 आयु वर्ग की राज्य स्तरीय एकदिवसीय रैपिड शतरंज प्रतियोगिता होटल हरियाली हेरिटेज, नेताजी चौक, अकलतरा रोड, जांजगीर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपनी शतरंज प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। समारोह में जिला कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला शतरंज संघ, जांजगीर-चांपा एवं डीबी वेंचर्स, चांपा (धीरेंद्र बाजपेयी ग्रुप) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसके साथ ही डॉ सुमित गुलाबानी ,डॉ रुचि गुलाबानी, श्री राजेश अग्रवाल, श्री मनोज अग्रवाल का विशेष सहयोग आयोजन को सफल बनाने में मिला। कार्यक्रम की शुरुआत में चैतन्य निर्मलकर द्वारा प्रस्तुत की गई सरस्वती वंदना ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। उनकी भावपूर्ण और मधुर प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया तथा कार्यक्रम को एक शुभ एवं गरिमामय आरंभ प्रदान किया। राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का शुभारंभ कलेक्टर श्री महोबे द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पण एवम दीप प्रज्जवलित कर किया।

कलेक्टर श्री महोबे ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल एक खेल नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक एवं बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम है। यह खेल बच्चों में धैर्य, शांति, अनुशासन, रणनीतिक सोच एवं सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है।

कलेक्टर श्री महोबे ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों को आगे बढ़ने की सही दिशा मिलती है और वे भविष्य में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकते हैं। प्रतियोगिता में जांजगीर-चांपा, रायपुर,सक्ती बलौदाबाजार, कोरबा, बिलासपुर, रायगढ़ एवं अंबिकापुर,बस्तर, जशपुर, दुर्ग सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुकाबले अत्यंत रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक रहे। एसडीएम एवं जिला खेल अधिकारी श्री सुब्रत प्रधान, डॉक्टर रुचि गुलाबानी एवं श्री विमल मानिकपुर द्वारा समापन अवसर पर खिलाड़ियों को ट्रॉफी और नकद राशि प्रदान कर पुरुरकृत किया। वेदांश यादव ने प्रथम, आयांश पुल्लर ने द्वितीय एवं हृधान मावलंकर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद सक्षम जायसवाल, आदर्श गौतम एवं स्वस्तिक शर्मा क्रमशः चौथे, पांचवें एवं छठे स्थान पर रहे। अनिरुद्धि अनंत ने प्रथम, सिद्धि सराफने द्वितीय एवं अनिका साहू ने तृतीय स्थान हासिल किया, जबकि अनाया लाकरा, सायंतिका मुखर्जी एवं शनाया कोसले ने क्रमशः चौथा, पांचवां एवं छठा स्थान प्राप्त किया।

प्रभमन सिंह प्रथम, रिमेश कालो द्वितीय एवं शुभम कुमार साहू तृतीय स्थान पर रहे। वहीं आदित्य वर्मा, आयुष यादव एवं सर्वेश ने क्रमशः चौथा, पांचवां एवं छठा स्थान प्राप्त किया।

बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला व्यापार, मनोरंजन और सामाजिक सरोकार का भव्य आयोजन

बिलासपुर (समय दर्शन)। साइंस कॉलेज मैदान, सरकंडा में बीएनआई बिलासपुर द्वारा आयोजित व्यापार एवं उद्योग मेला 2026 ने व्यापार, उद्योग और सामाजिक जिम्मेदारी को एक साथ जोड़ते हुए शहरवासियों और व्यवसायिक समुदाय के लिए आकर्षक मंच प्रस्तुत किया। यह मेला 29 जनवरी से 3 फरवरी तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक आयोजित हो रहा है। शहरवासियों और व्यापारियों ने इसे बेहद उत्साहपूर्वक सराहा, जिससे यह मेला पिछले वर्षों की तरह इस बार भी सफल साबित हुआ।

मेले में शनिवार को बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, वहीं बिलासपुर संभागीय आयुक्त सुनील जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अति विशिष्ट अतिथियों में अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एडीएन वाजपेई, पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी.के. सरस्वत, डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरविंद तिवारी, सीएमडी कॉलेज के अध्यक्ष संजय दुबे और पूज्य सिंधी सेंट्रल पंचायत के अध्यक्ष विनोद मेघानी शामिल रहे। अतिथियों ने मेले की भव्यता, आयोजन की साज-सज्जा और इसके सामाजिक तथा व्यापारिक महत्व की खुले दिल से सराहना की। मेले में व्यापारिक और सामाजिक स्टॉल की विविधता ने दर्शकों का ध्यान खींचा। यहां बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए 10 से अधिक प्रकार के झूले, फूड स्टॉल, क्राफ्ट बाजार, रियल एस्टेट और लाइफस्टाइल सेक्टर, हॉस्पिटल्स, रोजगार मेला, नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, नेत्रदान एवं रक्तदान शिविर लगाए गए। लोग परिवार सहित स्टॉल पर खरीदारी, सेवाओं की जानकारी और मनोरंजन का आनंद लेने पहुंचे।

बीएनआई बिलासपुर व्यापार एवं उद्योग मेला 2026 ने व्यापारिक संभावनाओं, बच्चों की प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता को एक साथ जोड़ते हुए शहर के लिए एक प्रेरणादायक और बहुआयामी मंच प्रस्तुत किया है। अतिथियों, व्यापारियों और नागरिकों ने इसके आयोजन की भव्यता और सामाजिक दृष्टिकोण की खुले दिल से सराहना की, जिससे यह मेला शहरवासियों और उद्योग जगत के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

आदर्श दंपतियों का सम्मान

शनिवार के दिन मेले का विशेष आकर्षण रहा 50 वर्ष पूर्ण कर चुके आदर्श दंपतियों का सम्मान समारोह। इस अवसर पर नरेश सुल्तानिया-किरण सुल्तानिया, प्रेम त्रिहान-सुमन त्रिहान, विंसेंट गॉटलिब-स्नेहलता गॉटलिब, मदन गोपाल सिंह-रूपा सिंह, जमनादास कक्कड-पुष्पांजलि कक्कड़, विनोद पाठक-कल्याणी पाठक, राम मणि पांडेय-सावित्री पांडेय, एल.एन. गुरुदीवान-कमलेश गुरुदीवान, प्रमोद प्रसाद श्रीवास्तव-प्रभा श्रीवास्तव और विद्या भूषण शर्मा-हरबती शर्मा को मंच से सम्मानित किया गया। अतिथियों ने इन दंपतियों के वैवाहिक जीवन और सामाजिक योगदान की प्रशंसा की।

जिले के एकलव्य विद्यालय कोसमबुड़ा ने राष्ट्रीय मॉडल यूथ ग्राम सभा में हासिल किया प्रथम स्थान

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले के जनपद पंचायत छुरा के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा ने नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय मॉडल यूथ ग्राम सभा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर प्रदेश का नाम रोशन किया है, यह न केवल जिले बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इस राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि पर उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने विजेता विद्यार्थियों से भेंट कर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं ।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि देशभर के 800 से अधिक विद्यालयों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त करना छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और लोकतांत्रिक सोच का प्रमाण है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ युवाओं को ग्राम स्वराज, सहभागिता और उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ती हैं। उन्होंने इस सफलता को छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था में लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। श्री शर्मा ने कहा कि कोसमबुड़ा के विद्यार्थियों ने ग्रामीण समस्याओं की गहन समझ तथा उनके व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर यह सिद्ध किया है कि राज्य के युवा भविष्य के सक्षम नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सहयोग से इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा मॉडल ग्राम सभा का आयोजन कर स्थानीय समस्याओं की पहचान एवं उनके समाधान प्रस्तुत किए गए ।एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय,कोसमबुड़ा की टीम ने ग्रामीण विकास एवं निर्णय प्रक्रिया की उत्कृष्ट समझ का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय को प्रशस्ति पत्र के साथ एक करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि संस्थान के विकास के लिए प्रदान की गई है।

जन चौपाल के माध्यम से श्रमिकों को दी जा रही 'विकसित भारत गारंटी' एवं जल संरक्षण की जानकारी

मनरेगा कार्यस्थलों पर रोजगार व आजीविका मिशन (ग्रामीण) की विस्तृत समझाइश

बेमेतरा (समय दर्शन)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के मार्गदर्शन में जिले के विकासखंड अंतर्गत लगभग सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत श्रममूलक कार्य निरंतर संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों में प्राथमिकता के आधार पर जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को विशेष रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप आगामी दिवसों में महात्मा गांधी नरेगा के स्थान पर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) का संचालन किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न कार्य स्थलों पर श्रमिकों को इस नई पहल के संबंध में जन चौपाल के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही विभिन्न माध्यमों से योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है।

ग्राम पंचायत भार्गव में जन चौपाल का आयोजन

विकासखंड बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत भार्गव में मनरेगा योजना के तहत संचालित तालाब गहरीकरण कार्य स्थल पर जन चौपाल का आयोजन किया गया, जहां लगभग 350 श्रमिक कार्यरत हैं। कार्य स्थल पर ही श्रमिकों को आजीविका डबरी निर्माण, विकसित भारत गारंटी, रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण-ड्ढक्क-त-क्र्रू-त) तथा जल संरक्षण हेतु प्रस्तावित विभिन्न कार्यों की जानकारी विस्तार से दी गई।

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए बताया गया कि जल संरक्षण के माध्यम से भविष्य की जल आवश्यकताओं को सुरक्षित किया जा सकता है। इस अवसर पर घरों में रिचार्ज पिट निर्माण कर वर्षा जल को भूमि में पुनर्भरण करने की तकनीक एवं उसके लाभों की जानकारी दी गई। बताया गया कि रिचार्ज पिट से भू-जल स्तर में वृद्धि होती है तथा पेयजल की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

चौपाल में आजीविका डबरी निर्माण के विषय में भी विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि आजीविका डबरी से जल संरक्षण के साथ-साथ मछली पालन, सिंचाई एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के लिए पानी उपलब्ध होगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि संभव है।

आजीविका डबरी निर्माण हेतु मनरेगा योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध होने की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इस कार्य में अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की गई।

इस अवसर पर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस मिशन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना एवं आजीविका को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं मनरेगा के पंजीकृत श्रमिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व मे विभाग के वाहन मे ही जलाऊ लकड़ी पकड़ी गई

गरियाबंद (समय दर्शन)। उदंती-सीतानदी टाइगर रिज़र्व मे जंहा 1 फरवरी से संध्या 6 बजे से सुबह 6 बजे तक आम लोगो की आवाजाही मे रोक लगी,परन्तु पहले ही दिन हैरान करने वाला वाक्या सामने आया। जिस उदंतीङ्कसीतानदी टाइगर रिज़र्व क्षेत्र मे पेड का पत्ता तक तोड़ने मे प्रतिबंध हैं उस इलाके से इसी विभाग के वाहन सी जी जीरो टू अस्सी सत्यासी मारुती सफारी मे विभाग के अफसर एस डी ओ के बेटे के द्वारा जलाऊ लकड़ी बता कर वाहन मे लकड़ी भर कर ले जाते स्थानीय पत्रकारों व लोगो की सुचना पर मैनपुर आने के रास्ते मे ही पकड़ लिया। जिसके बाद विभाग कर्मचारी द्वारा कार्यवाही की गई। जिसे प्रक्रिया मे चूक का मामला बताया जा रहा हैं। विभाग ने जप्त की गई लकड़ी की क़ीमत पांच सौ रूपये आँकी गई हैं.जिसे मृत जगली जानवर को जलाने लाया जाना बताया जा रहा हैं। यह वही संवेदनशील इलाका है जहाँ आम आदमी अगर शाम 6 बजे के बाद गलती से मोटरसाइकिल लेकर घुस जाए,तो कानून ऐसा टूट पड़ता है जैसे उसने लकड़ी नहीं,पूरा जंगल ही उठा लिया हो। यंहा कुछ सवाल जो विभाग के लिए लोगो द्वारा उठाया गया जैसे लकड़ी एसडीओ की सरकारी गाड़ी में कैसे लाई जा रही थी ।उस मारुती सफारी वाहन को एस डी ओ का पुत्र उनकी गैरहाजरी मे कैसे चला रहा था ? बिना किसी वैध पर्ची या दस्तावेज के रात के प्रतिबंधित समय में लकड़ी क्यू लाई जा रही थी। यही कार्य कोई आम ग्रामीण करता,तो क्या होता ?वाहन ज़ब्त,जुर्माना,एफआईआर,फोटो खिंचवाकर मिडिया और सोशल मीडिया पर वायरल की जाती। पर यहाँ तो लकड़ी भी ङ्कढ्ढक्कवाहन भी ङ्कढ्ढक्क और शायद कानून भी छुट्टी पर था ।यह विभाग वही विभाग है, जहाँ लकड़ी तस्करी को गंभीर अपराध कहा जाता है ।वही विभाग हैं जहाँ वन्यजीवों की सुरक्षा प्रथम कर्तब्य हैं ।सामान्य भाषा में इस संवेदनशील टाइगर रिज़र्व क्षेत्र से लकड़ी ले जाना अपराध है,चाहे लकड़ी छोटी हो या बड़ी। बहरहाल विभाग का मामला हैं अफसर को बचाया तो जायेगा ही। इस विषय पर विभागिय डी एफओ व उपनिदेशक वरुण जैन से बात करने पर उन्होंने बताया की वन्य प्राणियों की मृत्यु उपरांत उसे जलाने के लिए लकड़ी लाई जा रही थी,प्रक्रिया मे गड़बड़ी हुई हैं कागज बनाये जाने थे।

अपर कलेक्टर भारद्वाज ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री प्रकाश कुमार भारद्वाज द्वारा आज सोमवार को कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर श्री भारद्वाज ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं मौके पर बुलाकर आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कई मामलों में समस्याओं का समाधान तत्काल मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का जहां शीघ्र निराकरण किया गया, वहीं गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आए आवेदकों में तहसील बेरला के ग्राम भटगांव निवासी सावित्री साहू ने आवासी भूमि प्रदाय किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। तहसील बेरला के ग्राम कोसपातर, बारगांव निवासी जमुना बाई यादव ने जब्तशुदा मारुति ऑल्टो वाहन को सुपुर्दनामा में दिए जाने संबंधी आवेदन दिया। तहसील भिंभौरी के ग्राम अकोली निवासी जानकी वर्मा ने भूमि विक्रय पर रोक लगाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया।

इसी प्रकार तहसील साजा के ग्राम कारेसरा निवासी रुखमणी यादव ने विद्युत मीटर परिवर्तन एवं विद्युत बिल माफी हेतु आवेदन दिया। तहसील भिंभौरी के ग्राम गुधेली निवासी अरूणा वर्मा ने 10 रुपये वाले राशन कार्ड को गरीबी रेखा राशन कार्ड में परिवर्तित करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया।

ग्राम दुतकैया (खपरी) की घटना,शांति व्यवस्था बनाने पुलिस की अपील

गरियाबंद (समय दर्शन)। 1 फरवरी 2026 को ग्राम दुतकैया थाना राजिम में वर्ष 2024 घटित पटना में ग्राम दुतकैया के पुराना तालाब के बावेश्वर शिव मंदिर को तोड़ फोड़ करने पर थाना राजिम में अपराध क. 173/24 धारा 295,427,201,34 भादवि की धारा के तहत अपराध पंजीबद कर विवेचना में लिया गया था तथा प्रकरण के आरोपीयों के विरूध्द वैधानिक कार्यवाही की गई थी। उक्त प्रकरण में तत्समय अपचारी बालक आरिफ खान को बाल सुधार गृह माना में रखा गया था। जो जमानत पर रिहा हुआ था।

1 फरवरी 2026 को उक्त आरोपी आरिफ खान द्वारा अपने अन्य साथीयो के साथ रेखराम यादव ग्राम दुतकैया के साथ पेट्रोल पंप के पास ग्राम बासीन थाना फिंगेश्वर में पुरानी रंजिश को लेकर वाद-विवाद कर मारपीट की घटना करने पर थाना राजिम में अपराध क.00/2026 धारा 296,115(2),351(3),3 (5) बीएनएस की धारा तहत अपराध पंजीबच्द किया गया है। ललित कुमार साहू ग्राम दुतकेंपा के साथ धान मंडी ग्राम धमनी के पास रास्ता रोककर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुये मारपीट किया गया जिससे थाना राजिम में अप.क. 25/2026 धारा 126(2),296, 115 (2), 351 (3), 3(5) बीएनएस कायम कर विवेवना में लिया गया है,व प्राची अरविंद साहू ग्राम दुतकैया को सब स्टेशन भवन के अंदर ग्राम परसदाजोशी में आफिस अंदर घुसकर गाली गलौच कर मारपीट किया तथा प्रार्थी का 1 नग मोबाईल व पैसे लुटकर ले गये। जिस पर थाना राजिम में अप.क. 26/2026 धारा 331(2),309 (6),296, 115(2),351 (3), 3 (5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। तथा प्राथी नरेन्द्र कुमार साहू ग्राम दुतकैया के साथ अरण्ड रोड़ ग्राम बकली के पास प्रार्थी का रास्ता रोक कर गाली गलौच कर डण्डे से मारपीट किया और प्रार्थी का मोबाईल को लुट कर ले गया। जिससे थाना राजिम में अप.क. 27/2026 धारा 309 (6),126 (2), 296,115 (2), 351 (3),324(2),3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया है। उपरोक्त अपराध की सूचना थाने में दोपहर 3 बजे से 3.30 बजे तक में दर्ज की गई। अपराध दर्ज होने के तीन घण्टे के भीतर फरार आरोपीयों के लोकेशन पता कर पुलिस द्वारा दबिश देकर आरोपीयों को अभिरक्षा में लेकर वैद्यानिक कार्यवाही किया गया है।

इस बीच ग्राम दुतकैय्या में उपरोक्त घटनाओं को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई और ग्रामीण आरोपी के घर के पास भीड़ के रूप में इक ?ट्ठा होने लगे ।पुलिस को सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस बल द्वारा घटना स्थल रवाना होकर स्थिति को नियंत्रण में लिया गया तथा भीड को उस स्थान से अलग किया गया। जान माल की हानि को रोकने के लिए अनियंत्रित भीड़ पर आवश्यक न्यूनतम बल प्रयोग किया गया तथा भीड़ को तीतर बितर कर घायलों को उपचारार्थ अस्पताल रवाना किया गया। कार्यवाही के दौरान पुलिस के सात जवान गंभीर रूप से घायल हुए जिनमे से एक राम कृष्ण फेयर हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती है तथा अन्य समुदायिक स्वास्थय केन्द्र राजिम में भर्ती है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन द्वारा मनाया गया नव वर्ष मिलन व सम्मान समारोह

प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा के मुख्य आतिथ्य में सफल आयोजन)

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेड़रेशन, पाटन के तत्वावधान में आज स्थानीय विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) पाटन में 'नव वर्ष मिलन एवं सम्मान समारोह' का गरिमामय आयोजन किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक, छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवंअध्यक्ष, छ.ग. राजपत्रित अधिकारी संघ, अध्यक्षता राजेश चटर्जी संभाग प्रभारी, छ.ग. कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन एवं प्रांताध्यक्ष, छ.ग. प्रदेश शिक्षक संघ विशिष्ट अतिथि चंद्रशेखर चन्द्राकर प्रांतीय उपाध्यक्ष छ ग शिक्षक फेडरेशन, जागेन्द्र साहू मुख्यकार्यपालन अधिकारी पाटन थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण फेडरेशन के संगठनात्मक जानकारी महेन्द्र कुमार साहू संयोजक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन एवं अध्यक्ष, पंचायत सचिव संघ जिला दुर्ग, आभार टिकेन्द्र नाथ वर्मा संरक्षक व संचालन ललित बिजौरा प्रांतीय सह प्रवक्ता ने किया। समारोह का मुख्य उद्देश्य नए वर्ष की शुभकामनाओं के साथ कर्मचारियों के मध्य आपसी समन्वय और एकता को मजबूत करना था। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के तैलचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

मुख्य अतिथि कमल वर्मा अपने उद्बोधन में कहा कि कर्मचारी हितों की रक्षा और शासकीय कार्यो को पारदर्शिता के साथ पूरा करने के संकल्प को दोहराया ।इस अवसर पर फेडरेशन द्वारा उन कर्मचारी और अधिकारियों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले वर्ष अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन किया ।मिलन समारोह में चर्चा के साथ-साथ संवाद का दौर भी चला, जिससे विभाग के भीतर एक सकारात्मक कार्य वातावरण निर्मित करने में मदद मिली। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से काम का तनाव कम होता है और टीम भावना विकसित होती है। यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि हमारे फेडरेशन की एकता का प्रतीक है। हम नए वर्ष में नई ऊर्जा के साथ जनता की सेवा और अपने अधिकारों के लिए सजग रहेंगे। मुख्य रूप से हेमंत कुमार वर्मा मुख्य नगर पालिका अधिकारी व संरक्षक, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन, श्वेता यादव: अति. मुख्य कार्यपालन अधि. ज.पं. पाटन व सलाहकार, कर्म. अधि. फेडरेशन छाया वमार्: परियोजना अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग पाटन सदस्य एवं अन्य पदाधिकारी भानुप्रताप यादव: जिला मीडिया प्रभारी,श्रीमती रोशनी धुरंधर सदस्य कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन पाटन, चंचल द्विवेदी कार्यकारी जिला अध्यक्ष, छ.ग. प्रदेश शिक्षक फेडरेशन जिला दुर्ग,गिरधर वमार्: कोषाध्यक्ष, वरूण साहू सचिव आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त-खबर

एनएचएम स्टाफ नर्सों को अनुभव अंक देने की मांग, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत स्टाफ नर्सों ने नियमित भर्ती प्रक्रिया में अनुभव के आधार पर अंक देने की मांग की है। इस संबंध में स्टाफ नर्सों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शासन व संचालनालय स्तर पर उचित निर्णय लेने का आग्रह किया ।ज्ञापन में बताया गया कि जिले में एनएचएम के तहत कार्यरत स्टाफ नर्सें कोविड-19 महामारी के पूर्व से लेकर वर्तमान तक निरंतर अपनी सेवाएं दे रही हैं। कोविड महामारी के दौरान उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना फ्रंटलाइन पर रहकर मरीजों की सेवा की। इस्टाफ नर्सों ने बताया कि संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा 525 नियमित पदों पर भर्ती प्रक्रिया का विज्ञापन जारी किया गया है, लेकिन इसमें अनुभव के आधार पर अंक देने का प्रावधान नहीं है। जबकि संविदा कर्मचारियों ने लंबे समय से कठिन परिस्थितियों में विभाग को अपनी सेवाएं दी हैं और उन्हें व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है ।द ज्ञापन में मांग की गई है कि नियमित भर्ती प्रक्रिया में सेवा अवधि के आधार पर अनुभव अंक प्रदान किए जाएं, बताया जा रहा है ताकि वर्षों के कार्य और अनुभव को उचित प्राथमिकता मिल सके और कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित हो सके। स्टाफनर्सों ने कलेक्टर से मांग को शासन और संचालनालय तक पहुंचाने तथा उचित कार्रवाई करने की अपील की है।

नहर पुल के जर्जर होने से परेशान मोरिदवासी, पुनर्निर्माण की मांग

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 165 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में भिलाई चरोदा नगर निगम के वार्ड 39 ग्राम मोरिद निवासियों ने नहर के पुल को पुनर्निर्माण कराने आवेदन दिया। ग्रामवासियों ने बताया कि नहर पुल दुर्घटनाओं का कारण बन गया है। सड़क सीमेटीकरण के बाद पुल सड़क के बराबर हो गया है, जिसके कारण दुर्घटना होते रहती है। पुल पुराना और संकरा होने के साथ ही कचरे से भरा है, जिससे पानी की निकासी बाधित हो रही है और नहर का पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों ने पुल के पुर्निर्माण की मांग की है। इसी प्रकार उप स्वास्थ्य केन्द्र मोरिद में बुनियादी सुविधाओं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने बताया कि केन्द्र में एकमात्र ए.एन.एम. की ड्यूटी के कारण सप्ताह में कई दिन ओपीडी बंद रहती है। स्वास्थ्य केंद्र में पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। शुगर व बीपी की दवाइयाँ लंबे समय से उपलब्ध नहीं है। बीपी मापने की मशीन छह माह से खराब है, वहीं शुगर जांच की स्ट्रिप्स न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है, जिससे गरीब तबके के लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने को कहा। सुपेला निवासी ने सहारा कंपनी में जमा राशि दिलाने आवेदन दिया। सहारा कंपनी में वर्ष 2015 में जमा की गई एफडी की राशि अब तक नहीं मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उसने कुल 8 एफडी में 1.50 लाख रुपये जमा किए थे। कंपनी में ऑनलाइन आवेदन किया गया था, जिसमें 45 दिनों के भीतर भुगतान का आश्वासन दिया गया था। लेकिन आवेदन के कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक एक भी पैसा नहीं मिला है। बार-बार ऑनलाइन स्टेटस चेक करने पर केवल प्रोसेस में है बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वह रोजी-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है और कर्ज लेकर जीवनयापन कर रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम बूथ में फिर फैला कचरा

रायपुर। भारतीय स्टेट बैंक (एस. बी. आई.) द्वारा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मठ पुरैना वार्ड में स्थापित ए. टी. एम. बूथ में ऐसा लगता है कि कचरा फैलने का सिलसिला फिर शुरु हो गया है. लगभग दो महीने पहले भी वहाँ काफी कचरा बिखरा पड़ा रहता था. मीडिया में फोटो सहित ख़बर आने के बाद बीच में व्यवस्था कुछ ठीक हो गई थी, लेकिन अब फिर वही कचरे का आलम नज़र आने लगा है, वहाँ आने वाले ए. टी. एम. कार्डधारकों का मन इस कचरे को देखकर खिन्न हो जाता है. राष्ट्रीय न्यूज सर्विस के इस संवाददाता ने आज दो फरवरी की शाम वहाँ कागजों के टुकड़ों का बहुत -सा कचरा फैला हुआ देखा. हालांकि इसके लिए काफी हद तक ए. टी. एम. कार्डधारक भी ज़िम्मेदार हैं, जो बूथ से निकलने वाली पर्चियों को देखकर वहीं पर लापरवाही से फेंक देते हैं. लेकिन बैंक प्रबंधन की भी ज़िम्मेदारी बनती है कि वह प्रत्येक ए. टी. एम. बूथ की देख -रेख और साफ़-सफाई के लिए अपने किसी कर्मचारी को तैनात करे. ऐसी कोई व्यवस्था इस बूथ में दिखाई नहीं पड़ी.

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26